जिनागम

धर्म-परिवार-समाज-व्यवसाय का समन्वय

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

वर्ष -२८ अंक -०५ जनवरी २०२६ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४२ मूल्य - १५० रूपए प्रति

ॐ अर्हम्
गायों के सेवा करो और बचाओ, जान सदियों का इतिहास हमारा, गौ-संवर्धन अपनाना है"
SMT
Power & Precision Focused
34th Years Service to the Industries
Mfg. Of Class IV IS:4177 Double Hook E.O.T Cranes Upto 100 Metric Ton Capacity
EXPERTISE IN CONCEPT TO COMMISSIONING HOT ROLLING MILL (ON TURNKEY BASIS) FOLLOWING PRODUCTS:
Liquid Metal Feed to CCM Make Bloom, Billet, Slab to Different Rolling Plant
Wire Rod 5.5mm to 25mm
Hexagon Bar 20mm to 110mm
I-Beam 100mm to 600mm
H-Beam 100x100 to 300x300mm
Rounds 6mm to 330mm
Squares/RCS 6mm to 125mm
HR Strip Coil 100mm to 600mm width
Angles 18x18 to 250x250mm
Channesl 50x40mm to 500x130mm
Flate Bars 12 to 600mm width
T-Iron upto 150x100mm
Ribbed Bar/TMT Bar 6mm to 56mm
SMT MACHINE INDIA LIMITED
An ISO 9001:2015, 14001:2015 & 45001:2018 Co.
ENGINEERS CONSULTANTS, MANUFACTURERS, SUPPLIERS & EXPORTERS OF COMPLETE STEEL MILL PLANT, ALLIED EQUIPMENT & EOT CRANES
SURINDER MITTAL JAIN - 81959-57313
समाजभूषण एवं श्रद्धानिष्ठ श्रावक
RAMAN MITTAL - 93577-55555
Near Focal Point, Mandi Gobindgarh-147 301 (Punjab) India
Email: info@smtmachinesindia.org, cranes@smtmachinesindia.org
For Further details please visit us at: www.smtmachinesindia.org
UNIT-II: Raipur, Chhattisgarh
Location Mgg
Website
Location Raipur
Facebook
Linkdin
Youtube
MAKE IN INDIA

जिनागम

धर्म-परिवार-समाज-व्यवसाय का समन्वय

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

वर्ष -२८ अंक -०५ जनवरी २०२६ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४२ मूल्य - १५० रूपए प्रति

हम सब जैन हैं श्वेताम्बर जैन दिगम्बर हम सब जैन हैं

नव वर्ष की पावन बेला में, है यही शुभ सन्देश, हर दिन आये आपके जीवन में, लेकर खुशियाँ विशेष

वर्ष २०२६ सुख पूर्वक व स्वास्थ्य पूर्वक हो

MAHARERA No.: P51700079129
https://maharerait.maharashtra.gov.in/

OSTWAL AKAASHA

Near Bhayandar Railway Stn, Navghar Road, Bhayandar (E)

Live in the heart of Bhayandar

Commercial + Residential Tower
with Spacious 1, 2 & 3 BHK Residencies

1 BHK 502 SQ.FT | 2 BHK 735 SQ.FT | 3 BHK 1034 SQ.FT

80825 56055 / 91364 61444 / 022 2855 7777

Corporate Office : OSTWAL HOUSE, Opp. Vardhaman Fantasy, Mira Road (E) - 401 107.

PROJECT BY
श्री Ostwal BUILDERS LTD.

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

www.jinagam.co.in Remove INDIA Name From the Constitution INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पधारो म्हारे देश
पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
मेरा राजस्थान
सम्पादक : बिजय कुमार जैन
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका
राजस्थान का इतिहास
पहुँचाए आपके हाथ
मात्र रु. १००/- में, प्रति महिना
राजस्थान की राजधानी जयपुर
भारत का एक राज्य राजस्थान का
एक जिला
1 प्रति ₹ 100/-
जैसलमेर
1 प्रति ₹ 100/-
के इतिहास की प्रति मंगवाने के लिए
संपर्क करें:- 022-28509999
GREENTECH PACKAGING
सम्पादक
बिजय कुमार जैन
उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)
पंजीकृत कार्यालय
बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९
दूरध्वनि: ०२२-४०१५ ८०१४ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com
विशेष छूट
विज्ञापन देने पर
पूरे साल
'मेरा राजस्थान'
पत्रिका मुफ्त
वार्षिक शुल्क १२००/-
आजीवन शुल्क ११,१११/-
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

|| श्री महावीराय नमः ||
जय जय रोड़जी स्वामी जय नृसिंहाचार्य जय मानाचार्य
जय वेणी, एकलिंगाचार्य-जय मुक्ता-भारेश-अम्बेश गुरुवे नमः-जय आत्म-आनन्द-देवेन्द्र-शिव-जय मगन-जय सौभाग्य-जय मदन-जय मधुकर-महेन्द्र-कोमल, जय प्रेम-विजय
कृपा दृष्टि
मेवाड़ प्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री अम्बालालजी म.सा.
प. पू. गुरुदेव श्री मगनमुनिजी म.सा.
महामंत्री प्रवर गुरुदेव श्री सौभाग्यमुनिजी म.सा.
मेवाड़ प्रवर्तक गुरुदेव श्री मदनमुनिजी म.सा.
गुरुणी मैय्या श्री प्रेमवतीजी म.सा.
आशीर्वृष्टि
आचार्य सम्राट डॉ. श्री शिवमुनिजी म.सा.
युवाचार्य श्री महेन्द्रऋषिजी म.सा.
प्रेरणा पुष्टि :
उपप्रवर्तक श्री कोमलमुनिजी म.सा.
उपप्रवर्तिनी श्री विजयप्रभा जी म.सा.
पावन सान्निध्य
सलाहकार सिद्धाताचार्य
पू गुरुदेव डॉ. श्री राममुनिजी म. सा. "निर्भय"
श्री मोक्ष तिलक विजयजी म.सा.,
श्री तीर्थ तिलक विजयजी म.सा. आदि ठाणा 2
एवं युवा मनीषी पू. श्री विकास मुनिजी म. सा "शास्त्री
साध्वी श्री विजयलताजी म.सा.
प.पू. श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा., प.पू श्री पुण्याश्रीजी म.सा.
आगम ज्ञाता श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा.
पू. श्री सुप्रज्ञाजी म.सा., पू. श्री अपूर्वप्रज्ञाजी म.सा.
साध्वी श्री विनयप्रभा जी म सा, साध्वी श्री नमिता श्रीजी म सा
साध्वी श्री जिनाज्ञा श्रीजी म सा आदि ठाणा-3
साहित्यरत्न श्री डॉ.मधुबालाजी म सा ,
सेवाभावी श्री रौनकश्रीजी म सा आदि ठाणा 2
बा.ब्र. श्री उज्वलांकुंवरजी,
श्री कीर्तिसुधाजी म.सा., श्री उन्नतिश्रीजी म.सा.
दिवाकर गौरव, स्पष्ट वक्ता श्री विक्षास जी म.सा. "अरमान"
स्वाध्याय प्रेमी सेवा शिरोमणी श्री आरज़ू जी म.सा. "प्रज्ञा" ठाणा 2
श्री सुकीर्ति जी म.सा.श्री सुनीति जी म.सा.आदि ठाणा 2
डॉ. श्री लोकेश मुनि
लेखक, कवि, साहित्यकार विचारक
संयम शताब्दी वर्ष
जन-जन के आराध्य
मेवाड़ संघ शिरोमणि प.पू. प्रवर्तक गुरूदेव
श्री अम्बालालजी म.सा.
संयम अमृत (हीरक) वर्ष
जन-जन के भाग्य विधाता, शेर-ए-मेवाड़ महामंत्री प्रवर
प.पू. गुरूदेव श्री सौभाग्यमुनिजी म.सा.
जन्म शताब्दी वर्ष
राज राजेश्वरी राजगुरु माता
राजस्थान सिंहनी, गुरूणी मैय्या
पूज्या श्री प्रेमवतीजी म.सा.
:: पावन सानिध्य ::
प.पू. साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा.
जिनशासन प्रभाविका, प्रखर वक्ता
प.पू.साध्वी श्री पुण्याश्रीजी म.सा.
प. पू., साध्वी श्री विजयलताजी म.सा.
समारोह के प्रकाश पुंज
श्री गुलाबचन्दजी सा कटारिया
महामहिम राज्यपाल पंजाब
श्री गौतमजी दक
सहकारिता व नागरिक उड्डयन मंत्री
श्री लहरसिंहजी सिरोया
राज्यसभा सांसद
श्री लादूलाल पितलिया
विधानसभा क्षेत्र सहाड़ा
श्री ताराचन्दजी जैन
विधायक उदयपुर शहर
श्री अशोकजी सा कोठारी
विधायक भीलवाड़ा
श्री उमरावसिंहजी ओस्तवाल
वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योगपति भायन्दर मुम्बई
श्री पारसमलजी चपलोत
अटल सम्मान से सम्मानित उद्योगपति मुम्बई
श्री सम्पतजी चपलोत
उद्योगपति एवं समाजसेवी
मेवाड़ संघ मुम्बई के तत्वाधान में
मीरा रोड़-भायंदर में
वि.सं. २०८२
माघ कृष्णा अष्टमी
रविवार ११ जनवरी
२०२६
शताब्दी वर्ष
आयोजन 2026
स्थान :
आर.के. लॉन
नियर एस.के.
ग्राउण्ड मीरा रोड़
ईस्ट मुम्बई
मंगल कार्यक्रम
नवकारसी
प्रात: 8.00 बजे
मंगलाचरण स्वागत गीत
प्रात: 8.40 बजे
ध्वजारोहण
प्रात: 8.50 बजे
गुणानुवाद सभा
प्रात: 9 .00 बजे
दीक्षार्थी श्री आदित्री जैन एवं पच्चक्खाण वालों का सम्मान
प्रात: 11.30 बजे
गौतम प्रसादी
दोपहर 12.00 बजे
लक्की ड्रा
दोपहर 12.30 बजे
समापन
दोपहर 1.30 बजे
आध्यात्मिक महोत्सव हेतु पच्चकखाण
नोट : इन नियमों के साथ आपको जुड़ना होगा : द्विवर्षीय, पंचवर्षीय शत (सौ वर्षीय), जीवनपर्यन्त, रात्रि भोजन, जमीकन्द, त्याग, ब्रह्मचर्य पालन, बाहर की बनी वस्तु का त्याग अथवा दो वर्ष तक सामायिक लेकर उसमें सामायिक व प्रतिक्रमण के पाठ पढ़ना इतना भी नीं हो पाये तो उपरोक्त सभी नियम साल में १०० दिन के लिए पालन करें।
आज से 11 जनवरी को जो भी नियम लेगा उसका यथायोग्य नियम पच्चक्खान अनुसार सम्मान सत्कार पुरस्कृत किया जायेगा।
पूर्व में पहले से जिसके पच्चक्खान है वो कृपया अपना नहीं लिखावें।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (मेवाड़) मुम्बई
अध्यक्ष : भैरूलाल लोढ़ा (9820002808)
महामंत्री : प्रकाश नाहर (9869468682)
कोषाध्यक्ष : फुलचंद नाहर (9820826827)
श्री अम्बेश सौभाग्य चेरिटेबल ट्रस्ट (मेवाड़ भवन) गोरेगांव
अध्यक्ष : दिलीप नाबेडा
महामंत्री : सुरेश आंचलिया
कोषाध्यक्ष : बसंतीलाल चपलोत
मेवाड़ महिला मण्डल मुम्बई M4
अध्यक्षा : कंचन सिंघवी
महामंत्री : लीला खरवड़
कोषाध्यक्षा : लीला सांखला
मेवाड़ नवयुवक मण्डल मुम्बई
अध्यक्ष : भगवतीलाल कोठिफोड़ा
महामंत्री : महावीर मादरेचा
कोषाध्यक्ष : संजय वागरेचा
मेवाड़ कन्या मण्डल मुम्बई
अध्यक्षा : रिया सियाल
महामंत्री : खुशी पगारिया
कोषाध्यक्षा : हिनल बंबोरी
न्यायविधि व चुनाव समिति
सचेतक : हरकलाल लोढा
मुख्य चुनाव अधिकारी : श्री नवरतनजी सोनी एवं सभी पदाधिकारी
परामर्श समिति
मीठालाल सिंघवी प्रमुख
चतरलाल लोढा संरक्षक
शांतिलाल राठौड़ कार्यकारी प्रमुख
इन्द्रमल बडाला कार्यकारी संरक्षक
एवं सभी पदाधिकारीगण
प्रोफेशनल फोरम संयोजक : कमलकांत मादरेचा
ज्ञान प्रकाश समिति संयोजक : रमेश बोहरा
मानव सेवा समिति संयोजक : ओमप्रकाश लोढ़ा
स्वास्थ्य समिति संयोजक : संजय सियाल
वैय्यावच्च समिति संयोजक : हीरालाल रांका
स्वाध्याय समिति संयोजक : भंवरलाल बडालमिया
अल्पसंख्यक समिति संयोजक : सुभाष बडाला
समन्वय समिति
सभी सह संस्थाएं समितियां, पदाधिकारी गण एवं सदस्य

२९ वें वर्ष में प्रवेश
वर्ष -२८, अंक ०५, जनवरी २०२६
जिनागम
१२ अंकों का वार्षिक मूल्य रू.२१००/-

सम्पादक - बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को भारत ही कहा जाए
का आव्हान करने वाला एक भारतीय

उपसंपादक - संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)
मो: ९७०२२ ०५२५२

❍ 'जिनागम' में प्रकाशित लेखों/कविताओं/समाचारों/ विज्ञापनों से पूर्व सहमत होना सम्भव नहीं है।
❍ 'जिनागम' से सम्बन्धित समस्त विवादों के लिये न्याय क्षेत्र अंधेरी, मुम्बई ही मान्य माना जायेगा।

सम्पादकीय मुख्य कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्रा. लि.
बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९
दूरभाष :- ०२२-४०१५८०९४
अणु डाक :- mailgaylordgroup@gmail.com
अन्तरताना:- http//www.jinagam.co.in

कृपया विज्ञापन बिल सदस्यता की राशि का भुगतान नीचे दिये गए बैंक में जमा करा सकते हैं

HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410

State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908

श्वेताम्बर दिगम्बर • **सम्पादकीय** • दिगम्बर श्वेताम्बर

२०२६ की शुरुआत से ही कुछ नया करने की सोचें?

वैसे तो हर इंसान हर पल कुछ नया सोचता है, सोचने की ऊर्जा दिमाग से ही मिलती है और दिमाग तो कभी सोता ही नहीं है, जिस प्रकार चांद-सूरज-पृथ्वी कभी नहीं सोते, उसी प्रकार इंसान का दिमाग (पशु-पक्षी तक) कभी नहीं सोते, तो आईए हम सब मिलकर वर्ष २०२६ के शुभागमन पर हर पल कुछ नया करने की सोचें?

सर्वप्रथम हर इंसान को स्वयं के बारे में सोचना चाहिए, इसलिए स्वयं को स्वस्थ रखें और अच्छा खाएं, सकारात्मक ख्याल से तरोताजा रहें, फिर परिवार के बारे में सोचें, परिवार खुश रहेगा तो आप अच्छा सोच सकते हैं और अच्छा कर भी सकते हैं। परिवार के बाद आता है समाज! समाज इंसानों से बनता है, समाज के द्वारा हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं ताकि हम स्वयं के साथ परिवार को अच्छी नीतियों से परिपूर्ण कर सकें। समाज के बाद आता है राष्ट्र! राष्ट्र का स्वस्थ निर्माण हर इंसान मिलकर स्वयं से करता है, स्वयं अच्छे रहेंगे तो राष्ट्र अच्छा रहेगा और राष्ट्र अच्छा रहेगा तो हम और हमारा परिवार अच्छा रहेगा।

वर्ष २०२६ में हमारा जैन समाज 'एकता' में संयुक्त रहे, हम प्रयास करें हमारे गुरु-भगवंतों से, जिनके आशीर्वाद से हम अपना जीवन स्वस्थ व सुंदर बना सकते हैं, हम-सभी आशीर्वाद लें आज के चलते-फिरते तीर्थंकर देव पुरुषों से, जिनके मार्गदर्शन से ही हमारे दिन की चर्या खूबसूरत हो जाती है, हमारे जीवन की सोच बदल जाती है। हमारे पूजनीय गुरु भगवंतों के दर्शन के समय, हम उनके चरणों में विनंती करें कि हम श्रावकों को 'एकता' का मार्ग सुझाएं, हम सभी विभिन्न पंथों के अनुयाई एकत्र होकर, एकमंच पर आएं, किसी भी प्रकार का मनभेद ना रहे और हम २४ तीर्थंकर के अनुयाई अपनी-अपनी आमनाओं को मानते हुए 'जैन' बनें। विदित हो कि जब किसी बच्चे पर कुछ भी थोपा नहीं जा सकता, तो 'जैन एकता' हम श्रावक-श्राविकाओं पर कैसे थोपी जा सकती है? बस इतना ही कहूंगा कि 'जैन एकता' थोपी नहीं अपनाई जरूर जा सकती है।

गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अहिंसा प्रिय 'भारत' में मिलना ही चाहिए, हमारे शास्त्रों में लिखा है कि गाय में कोटिश: देवी-देवताओं का निवास होता है, हम सभी भारतवासी 'पहली रोटी गाय के नाम' कर अपना पेट भरते हैं और उसी भारत में 'गाय' की बलि चढ़ाई जाती है, जो कि हिंसा का घिनौना स्वरूप है। 'जिनागम' परिवार ने गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान दिलाने के लिए भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, केंद्रीय पशुपालन मंत्री के साथ भारत के सांसदों, राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, राज्यों के पशुपालन विभागों के साथ, सभी गौ प्रेमियों से भी निवेदन किया है कि हर कोई अपने-अपने स्तर पर, भारत से 'गाय' की बलि प्रथा का खात्मा करवाएं और गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान दिलवाएं।

अनंतोगत्वा इतना ही कहूंगा कि गौमाता 'राष्ट्रमाता' बनें और 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए, INDIA नाम को संविधान से विलुप्त करवाया जाए।

जय जिनेंद्र! जय गौमाता! जय भारत!

SBI
for payment

HDFC BANK
for payment

आपका अपना
जैन एकता का सिपाही
बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत ही कहा जाए
का आव्हान करने वाला एक भारतीय
मो.९३२२३०७९०८

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

जो वायदा किया है करके दिखायेंगे
हृदय से
आभार..
धन्यवाद..
उमेशकुमार बागरेचा
अध्यक्ष
अशोक बरमेचा
पूर्व अध्यक्ष
नवरतनमल गुंदेचा
पूर्व अध्यक्ष
योगेशकुमार सिंघी
चेयरमेन
हिमांशु बापना
सदस्य-अल्पसंख्यक आयोग
अशोक मुथा
सुभाष पिरोदिया
विनोद संचेती
महेन्द्र कटारिया
भरत भंसाली
राजेश गुगलिया
सज्जनराज सिंघवी
विमलचंद मुथा
महामंत्री
कैलाश भण्डारी
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
विनोद मखाणा
उपाध्यक्ष
सुरेश सुराणा
कोषाध्यक्ष
योगेश सोनी
सह-मंत्री
सुनील कावडिया
सह-मंत्री
अनिल कातरेला
माणकचंद पोकरणा
मोहनलाल बागरेचा
राजेशकुमार साभद्रा
राकेश सुराणा
अमित मुणोत
डॉ. अनीष पोकरणा
आशीष भंसाली
अशोक कोठारी
भरत जैन
मनोज तातेड़
सज्जनराज गांधी
त्रिलोक झाबक
विजयराज आँचलिया
अशोक सोनी
हुकमचन्द कोटेचा
सुनील बोहरा
सुरेश कोठारी
उमेश नाहर
अविनाश भण्डारी
अशोक संचेती
दिलीप भण्डारी
महावीर तातेड़
संतोष मरलेचा
प्रवीण पाण्ड्या
श्री जैन सेवा संघ, हैदराबाद के कार्यकारिणी चुनाव में अध्यक्ष के रुप मे एवं मेरे साथियों पर विश्वास कर भारी बहुमत से विजयी बनाने पर आप सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मैं सभी संघो के सदस्यगणों, मित्रों व प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से जिन्होने हमें जीताने मे सहयोग दिया उनका भी हार्दिक आभार... धन्यवाद।
मैं और मेरे साथी आप सभी को विश्वास दिलाते हैं कि आप ने जो विश्वास कर हमें विजयी बनाया उस पर अवश्य खरा उतरेंगे। - उमेश बागरेचा
PRATEEK GROUP OF INDUSTRIES

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

गौवंश का अर्थ और महिमा

मित्रों! हम प्रतिदिन गौवंश की चर्चा सुनते हैं, आइए जानते हैं कि आदिकाल से हमारी संस्कृति, निर्माण में गौवंश की क्या महिमा रही है?

त्वं यज्ञस्य त्वं माता सर्वदेवानां कारणम।
त्वं सर्वतीर्थानां नमस्तुतेअस्तु सदानघे।
शशि सूर्यरूणा यस्या ललाटे वृषभ ध्वज:।
सरस्वती च हुंकारे सर्वेनागास्च कम्बले।
क्षुर पृष्टे च गन्धर्वा वेदाश्चत्वार एव च।
मुखाग्रे सर्वतीर्थानि स्थावारानि चराणि च।

'हे निष्पापे! तुम सब देवताओं की माँ, यज्ञ की कारण रूपा और सम्पूर्ण तीर्थों की तीर्थ रूपा हो, हम तुम्हें सदा नमस्कार करते हैं। तुम्हारे ललाट में चंद्रमा, सूर्य, अरूण और वृषभ ध्वज शंकर विराजमान हैं। हुंकार में सरस्वती, गल कम्बल में नागगण, खुरों में गन्धर्व और चारों वेद तथा मुखाग्र में चर-अचर सम्पूर्ण तीर्थों का वास है'।

गोवंश भारतीय जीवन, संस्कृति, इतिहास का अटूट अंग है यानि जबसे सृष्टि की रचना हुई तभी से गौ इतिहास का भी प्रारम्भ होता है। आदिकाल में देव और दानवों ने अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था, प्रभु ने कच्छप अवतार लेकर सुमेरु पर्वत को धारण किया और वासुकी नाग को रज्जू के तौर पर प्रयोग में लाकर मंथन किया गया, जिसमें प्रथम हालाहल विष की ज्वाला से तारने के लिए रत्नस्वरूपा कामधेनु का प्रागट्य हुआ, जो सभी मनोकामना, संकल्प और आवश्यकता पूर्ण करने में सक्षम थी। कामधेनु को पालने हेतु देवताओं ने महाऋषि वशिष्ट को प्रदान दिया, जिन्होंने गौलोक की रचना की। सर्वसुख प्रदायनी गौ के विषय में एक और कथा आती है, जब सृष्टि का प्रारम्भ हुआ तो ब्रह्मा जी ने मनु को सृष्टि रचना का आदेश दिया जिसके कारण हम मानव कहलाते हैं। मनु जिनका नाम पर्थु था, उन्होंने गोमाता की स्तुति की और गोकृपा अनुसार गौदोहन किया, और पुथ्वी पर कृषि का प्रारंभ किया पर्थु मनु के नाम से यह धरा 'पृथ्वी' कहलाई।

मानव संरक्षण, कृषि और अन्न उत्पादन में गोवंश का अटूट सहयोग और साथ रहा है, इसी कारण हमारे शास्त्र वेद-पुराण 'गो महिमा' से भरे है। रघुवंश के राजा दिलीप गोसेवा के पर्याय और रामजन्म सुरभि गाय के दुग्ध द्वारा तैयार खीर से माना गया है। कृष्ण! जो गोपाल के नाम से जाने गए, ने पूर्ण यादव क्षेत्र की रक्षा गोवर्धन पर्वत उठा कर की और माखन चोर भी कहलाये।

औषधियों के स्वामी धन्वन्तरी ने गौभक्ति और गौसेवा कर आरोग्य प्रदायनी गौ दुग्ध, गौ घी, गौदधि, गोमूत्र और गोबर के मिश्रण से पंचगव्य की रचना की, यहाँ तक की गाय (गोबर) का मलमूत्र एक पर्यावरण रक्षक के रूप में माना जाता था और फर्श और घरों की दीवारों, रसोई में इस्तेमाल किया जाता था। शुद्ध रहने के लिए हर घर और मानव शरीर पर गोमूत्र छिड़काव एक आम बात थी।

गोधन धन के रूप में और धन के एक उपाय के रूप में माना जाता था। गोकुल यानी जहाँ 10,000 से अधिक गौवंश हो और नन्द जो की हजारों गौवंश का अधिपति हो जाना जाता था। सनातन धर्म में कन्या को दुहिता का नाम दिया है यानी दुग्ध को दोहन करने वाली यानि दुहिता गाय का दान सबसे महान कार्य के रूप में माना जाता था।

गाय' शब्द का अर्थ

वेद और स्मृति में गौ 'cow', 'गाय' का बड़ा व्यापक अर्थ है, इसमें केवल गाय, बैल और बछड़े ही नहीं, बल्कि दूध, गोमूत्र और गोबर भी शामिल है। मानव इन्द्रियों को भी गौ और गौभक्षण को इंद्री अर्थात् काम, क्रोध, मोह, दर्शन, श्रवण, स्वाद आदि दमन का सम्बोधन दिया गया है। आक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के विख्यात प्राध्यापक डॉ. मोनियार विलियम ने अपने शब्दकोश में गौ के 72 समानांतर अर्थ दिए है कुछ इस प्रकार है
1.गौ 2.श्रिंगने 3.तम्चा 4.महा 5.पुरारी 6.सुरभि 7.उसरा 8.अर्जुनी 9.अग्र 10.रोहिणी 11.धेनुधेनुका 12.अमृत 13.गौधेनु 14.स्त्रिगावी 15.दुग्धि 16.पिनोघनी 17.प्रियारुपणी 18.धेनुषा 19.गोवृन्दवारा 20.गोमुतालिका 21.गोप्रकंड 22.वत्सकामा 23.वत्सला 24.वसुंधरा 25.वसुधा 26.धरित्री 27.धारिणी 28.मेधिनी 29.वत्सिया आदि।

सनातन मे धर्मग्रंथों की विशाल श्रृंखला है और ये तमाम धर्मग्रंथ बताते हैं कि मनुष्य और जीव-जंतुओं के बीच प्राचीन काल से ही अन्योन्याश्रय संबंध रहा है, इन ग्रंथों का संदेश है कि तमाम जीव-जंतुओं की रचना ईश्वर ने मनुष्यों की भलाई के लिए ही की है और गाय इन जीव-जंतुओं में सबसे श्रेष्ठ है, इसलिए सृष्टि के इस आदि धर्म में जो भी ग्रंथ मान्य हैं, उन सबों में बिना अपवाद गाय की महिमा का बृहद् बखान है, जिसके केवल उदाहरण दिये जाये तो भी एक ग्रंथ बन जायेगा। वेद से लेकर पुराणों तक में और रामायण से लेकर महाभारत जैसे इतिहास ग्रंथों में 'गायों' को अहन्या माना गया है और उसे माँ का स्थान दिया गया है।

सनातनी ग्रन्थ गाय की महिमा के बखान से ओत- **शेष पृष्ठ १० पर...**

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

अटल जयंती पर 'मैं भारत हूँ' फाउंडेशन ने आयोजित की संगोष्ठी

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajdhani - 29 Dec 2025 - 29raj5
epaper.navabharat.news

न्यूज कैप्सूल

'मैं भारत हूँ' फाउंडेशन ने अटल जयंती पर आयोजित की संगोष्ठी

रायपुर। मैं भारत हूं फाउंडेशन द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म दिवस पर अवंति विहार, अटल चौक में 'आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा : भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें कवियों, साहित्यकारों ने अटलजी के गौरवगान में समां बांध दिया। कार्यक्रम संयोजक कैलाश रारा ने जहां अटलजी को सुशासन का नायक बताया, वहीं प्रमुख सलाहकार राजकुमार राठी ने स्वर्गीय श्री वाजपेई को राजनीतिक जीवन में शुचिता की पराकाष्ठा बताया। मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने अटलजी को हिंदी का पुरोधा एवं आदर्शवाद का नायक बताया। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व सदस्य प्रदीप जैन ने कहा कि अटलजी के हृदय में जहां एक ओर कवि मन की कोमलता थी, तो दूसरी ओर पोकरण विस्फोट जैसे दृढ़ संकल्प का साहस भी था। इतिहासविद रमेंद्रनाथ मिश्र ने अपने को अटलजी के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात की घोषणा का प्रत्यक्षदर्शी गवाह बताया। संगोष्ठी को कवयित्री पूजा अग्रवाल, अनिल द्विवेदी, भाजपा नेता अशोक बजाज, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वणिका शर्मा ने भी संबोधित किया। वहीं कवि राजेश जैन राही एवं छबिलाल सोनी की काव्य रचनाओं ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का संचालन ममता जैन द्वारा किया गया।

स्वदेश
राजधानी

अटल जी राजनीतिक जीवन में शुचिता के पराकाष्ठा

आधुनिक भारत के स्वप्न द्रष्टा, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति में संगोष्ठी

मैं भारत हूँ फाउंडेशन का आयोजन

अटल जी को बताया आदर्श

हिंदी के पुरोधा व आदर्शवाद के नायक

रायपुरः दिनांक २५ दिसंबर को 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म दिवस पर अवंति विहार, अटल चौक में 'आधुनिक भारत के स्वप्न द्रष्टा 'भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई. जिसमें कवियों, साहित्यकारों ने अटल जी के गौरवगान में समाँ बांध दिया। कार्यक्रम संयोजक कैलाश रारा ने जहां अटल जी को सुशासन का नायक बताया, वहीं प्रमुख सलाहकार राजकुमार राठी ने अटल जी को राजनीतिक जीवन में शुचिता की पराकाष्ठा बतलाया। मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने अटल जी को हिंदी का पुरोधा एवं आदर्शवाद का नायक बतलाया। प्रेस काउंसिल आफ इंडिया के पूर्व सदस्य प्रदीप जैन ने अपने संबोधन में कहा कि अटल जी के हृदय में जहां एक और कवि मन की कोमलता थी तो दूसरी ओर पोकरण विस्फोट जैसे दृढ़ संकल्प का साहस भी था। इतिहासविद रमेंद्र नाथ मिश्र ने अपने को अटल जी के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात की घोषणा का प्रत्यक्षदर्शी गवाह बतलाया। कवियित्री पूजा अग्रवाल ने अटल जी को स्वर्णिम कॉरिडोर का निर्माता एवं आधुनिक भारत का शिल्पी बतलाया। जनमन के संपादक डॉक्टर अनिल द्विवेदी ने अटल जी के सादगी एवं संघर्षपूर्ण जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। भाजपा नेता अशोक बजाज ने अटल जी के साथ बिताए क्षणों को याद किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्षा वणिका शर्मा ने अटल जी को अपना आदर्श बतलाया।

विशिष्ट अतिथियों के द्वारा अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रारंभ की गई इस संगोष्ठी में कवि राजेश जैन 'राही' एवं छबिलाल सोनी की काव्य रचनाओं ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी कार्यक्रम में विशेष रूप से पार्षद प्रभा विश्वकर्मा, कमल जैन, किशोर नायक, रितु वर्मा, सुब्रत घोष, सुजीत परिहार, प्रकाश चोपड़ा, अनुराग जैन, गायत्री परिवार के संरक्षक दिलीप पाणिग्रही एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स के सलाहकार अरविंद जैन आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का सफल संचालन ममता जैन के द्वारा किया गया।

-कैलाश रारा
कार्यक्रम संयोजक

'जैन एकता' से ही होगा जैन समाज
का विकास व बढ़ेगा सम्मान मिल कर कहें, हम-सब जैन हैं

गायों की सेवा करो और बचाओ जान
सदियों का इतिहास हमारा, गौ-संवर्धन अपनाना है

VIMAL BOTHRA
Mob: 7000628591

RAKESH BOTHRA
Mob: 9826750888

JAYESH BOTHRA
Mob: 7898058421

NANESH JEWELERS

Main Road, Jagdalpur,
Bastar, Chattisgarh, Bharat- 494001

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

पृष्ठ ८ से... स्रोत हैं, इसके कुछ उदाहरण हैं:

गावो विश्वस्य मातरः गाय विश्व की माँ हैं।

यजुर्वेदः गोः मात्रा न विद्यते अर्थात् गौ अनुपमेय है।

ब्रह्मांड पुराण में भगवान व्यास ने गौ-सावित्री स्तोत्र में समस्त गौवंश को साक्षात् विष्णु का रूप माना और इसके सम्पूर्ण अंगों में भगवान केशव का वास कहा। पद्म पुराण का कथन है, गौमुख में षढद्ग और पदक्रम सहित चारों वेद रहते हैं, स्कन्द पुराण के अनुसार गौ सर्वदेवमयी और वेद सर्व गोमय हैं, जिस घर में गौ नहीं वह घर शून्य है। गौ को आदिकाल से पवित्र और करुणा का द्योतक माना गया है। मान्यतानुसार इसकी सेवा और अर्चना से मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है।

'गाओ विश्वश्य जगतः प्रतिष्ठा' अर्थात् गाय विश्व में सबसे प्रतिष्ठित है जिसे भगवती के रूप में पूजा गया है।

'पश्वे तोकाय शं गवे' 8.5.20 युगे गावो मेद्यया कृशं चिद्श्रीरं चित्कुणुथा सुप्रितकम।

वेद ऋचाओं में प्रभु से गौवंश की पूर्ण सुरक्षा और रर्ण आयु की प्रार्थना की गयी है।

भद्रं ग्रहँ कृणुय भद्रवाचो ब्रहदो वय उच्च्यते सभासु' (अर्थववेद 4.21.6)

हे गौ तुम्हारी पवित्र ध्वनि हर एक को प्रसन्न करती है।

'ऐतद्रे विश्वरूपं सर्वरूपं गोरूपं' (अर्थववेद 9.7.1.26)

हे गौ तुम विश्व रूपा हो।

रूपं अघ्न्ये ते नमः अघ्ने ते रूपाय नमः अर्थववेद 10,10.1)

हे अवध्या मैं तुम्हे नमन करता हूँ।

अर्थववेद में कहा गया है

मित्र ईक्षमाण आवृत आनंदः युज्यमानों वैश्वदेवोयुक्तः प्रजापति विर्मुक्तः सर्पम्।।

एतद्वैविश्वरुपं सर्वरुपं गोरुपम्। उपैनंविश्वरुपाः सर्वरुपाः पशवस्तिष्ठन्ति य एवम् वेद। (अर्थववेद)

अर्थात् देखते समय गो मित्र देवता है, पीठ फेरते समय आनंद है। हल तथा गाड़ी में जोते जाते समय 'बैल' विश्वदेव, चलणे पर प्रजापति, जब खुला हो तो सबकुछ बन जाता है, यही विश्वरुप अथवा सर्वरूप है, यही गोरूप है, जिसे इस विश्वरूप का यथार्थ ज्ञान होता है, उसके पास विविध प्रकार के पशु रहते हैं। अथर्ववेद में ही कहा गया है ब्राह्मण तथा क्षत्रिय विश्वरुपा गौ के नितंब है। गंधर्व पिंडलियां तथा अप्सरायें छोटी हड्डियां हैं। देवता इसके गुदा हैं, राक्षस रक्त तथा इतर मानव पैर हैं। गाय के संबंध में एक जगह कहा गया है!

प्रत्यंग तिष्ठन् धातोदङ तिष्ठनन्नसविता।। तृणाणि प्राप्तः सोमो राजा।।

अर्थात् पश्चिमाभिमुख खड़े होते समय गाय विधाता उत्तराभिमुख खड़े होते समय सविता तथा घास चरते समय चंद्रमा है।

विभिन्न ग्रंथों में कहा गया है कि 'गाय' के अंगों में ईश्वर का वास है।

उदाहरणार्थ- बृहत्पराशरस्मृतिपद्मपुराण (सृष्टिखंड अथर्ववेद में गायों को संपतियों का भंडार कहा गया है। (अर्थववेद)

धेनुः सदनम् रयीणम अर्थात् गाय संपदाओं का भंडार है।

एक जगह आता है गावो विश्वस्य मातरः। अर्थात् गाय संसार की माता है। वेदों में तो गाय को टेढ़ी आंख से देखना तथा लात मारने को भी बड़ा अपराध माना गया है।

यच्च गां पदा स्फुरति प्रत्यङ् सूर्यं च मेहति।

तस्य वृश्चामि तेमूलं च्छायां करवोपरम्। अर्थववेद 13

अर्थात् जो गाय को पैर से ठुकराता है और जो सूर्य की ओर मुँह करके मूत्रोत्सर्ग करता है, मैं उस पुरुष का मूल ही काट देता हूँ संसार में फिर उसे छाया मिलना कठिन है।

प्रभु राम के वनवास गमन के पश्चात् जब भरत उनसे मिलने वन में गये तो प्रभु का पहला प्रश्न भरत से यही था कि तुम्हारे राज्य में गाय तो ठीक से है नस्कंदपुराण (आवंत्यखंड रेखाखंड अध्याय-१३ ब्रह्मांडपुराण (गोसावित्रीस्त्रोत) भबिष्यपुराण (उत्तरपर्व बह्मवैर्वापुराण के श्रीकृष्णजन्म कांड आदि में गाय की महिमा का वर्णन है।

गोवध का निषेध करते हुये वेद में कहा गया है:

माता रुद्राणां दुहिता वसूनां स्वसादित्यनाममृत्स्य नाभिः।

प्रश्नु वोचं चिकितुषे जनायमा गामनागादितिं वधिष्ट।।

अर्थात् गौ रुद्रों की माता वसुओं की पुत्री अदितिपुत्रों की बहन तथा धृतरूप अमृत का खजाना है, प्रत्येक विचारशील मनुष्य को मैंने यही कहा है कि निरपराध व अवध्य गो का कोई वध न करें।

मित्रों! चर्चा बहुत विस्तृत हैं, अगले अंक में हम गौपूजन, गाय -देवी रूपा आदि अहम विषयों पर चर्चा करेंगे, मुझे आपकी जिज्ञाशा, सुझाव प्रश्नों की प्रतीक्षा रहेगी

-डा. श्रीकृष्ण मित्तल LLM, PhD
aQikk@gmail.com 9980246400

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है
VIJAY KUMAR NEMICHAND CHHAJED
(HIRA BHAU)
Mob: 9765324648
Gandhi Chowk, Phagana,
Dhule, Maharashtra, Bharat- 424301

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

FREE HOME DELIVERY
NAKODA®
Pure Ghee, Edible Oils & More...
SINCE 1978
NAtural KhaO...
Dilse Apnao...™
श्रेयस की पसंद
हल्का, शुद्ध और भरोसेमंद
- नाकोडा Refined तेल
NAKODA
REFINED SUNFLOWER OIL
Net Qty: 1ℓ (910g) at 30°C
NAKODA
RICE BRAN OIL
NAKODA
REFINED SOYABEAN OIL
SATTVIK VERIFIED
QUALITY ASSURANCE
VEGETERIAN & JAIN
89288 82457 / 85915 62269 / 89285 86181 / 91377 56585
GHEE AND OIL AVAILABLE IN ALL SIZES AT YOUR DOOR STEP
NAKODA TRUSTED QUALITY OVER 35 YEARS
M/s. KEWALCHAND VINODKUMAR
K.B. Products Pvt. Ltd.
Customer Care: +91 9819475175 | Website: www.nakodagheetel.com | E-mail: info@gheetel.com
/nakodagheetel | An ISO 22000:2018 & HACCP Certified Company

श्री बनारसी सुभाष ओसपाल ट्रस्ट द्वारा ऊनी वस्त्र का वितरण

नई दिल्लीः लाला बनारसी दास जी की स्मृति में जरूरतमंदों को ऊनी वस्त्र का वितरण सुप्रसिद्ध समाजसेवी, जैन समाज के शिखर पुरुष तथा सेवा, सहयोग और करुणा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने वाले लाला बनारसी दास जी की ४५वीं पुण्य स्मृति में श्री बनारसी दास सुभाष ओसवाल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नई दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य किया गया, इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा समाज के जरूरतमंद वर्गों तक स्वयं पहुँचकर मिठाइयों एवं सर्दियों से बचाव हेतु ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया।

यह सेवा कार्य बिना किसी औपचारिक आयोजन के, अलग-अलग स्थानों पर जाकर संपन्न किया गया। वितरण अंध विद्यालय, मंदबुद्धि विद्यालय (रोहिणी क्षेत्र), अनाथालय, कन्या पाठशाला, गरीब एवं असहाय लोगों तथा भगवान महावीर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की कंस्ट्रक्शन साइट पर कार्यरत मजदूरों के बीच किया गया।

इस अवसर पर सुभाष ओसवाल ने कहा कि श्री बनारसी दास जी जैन समाज के एक महान एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व थे, जिन्होंने सेवा, त्याग और समाज निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया, उन्हीं की स्मृति में गठित श्री बनारसी दास सुभाष ओसवाल ट्रस्ट निरंतर मानव सेवा के कार्यों में सक्रिय है। सुभाष ओसवाल ने 'जिनागम' को बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य जरूरतमंदों तक सीधे पहुँचकर सहायता प्रदान करना है तथा भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सेवा के क्षेत्र में ऐसे अनेक जनकल्याणकारी कार्य किए जाते रहेंगे।

इस सेवा कार्य के दौरान श्री करतार सिंह जैन जी भी उपस्थित रहे और उन्होंने ट्रस्ट की सेवा पहल की सराहना की।

ट्रस्ट द्वारा किया गया यह सेवा कार्य श्री बनारसी दास जी के सेवा भाव एवं मानवीय मूल्यों को सच्ची श्रद्धांजलि है।

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है
गायों की सेवा करो और बचाओ जान
सदियों का इतिहास हमारा, गौ-संवर्धन अपनाना है
VIMAL KOCHAR (JAIN)
Mob: 9417345325
JAI BHAWANI NET CAFE
Wool Market, near Sachdeva Hospital, Fazilka, Punjab, Bharat- 152153

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
सुनिल उ. शाह जैन
अनिल शाह एंड ब्रदर्स
87/14, सिंधु बिल्डिंग, जी-रोड, मरीन ड्राईव, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400 020, फोनः 022-22818714/22812605
मो. 9820051752
भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें
Remove INDIA Name From The Constitution

ऋषभायण का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

मुंबईः लब्धि विक्रम जनसेवा ट्रस्ट के संयोजन में आयोजित तीन दिवसीय 'ऋषभायण-०२' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन पहले दिन एक समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। जैन समाज के शिल्पकार राजा ऋषभदेव के जीवन-दर्शन पर केंद्रित आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बोरीवली पश्चिम स्थित कोरा केंद्र मैदान में किया गया, इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तीर्थंकर के जनक और भारतीय सभ्यता के अग्रदूत भगवान ऋषभदेव को समर्पित इस कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। ऋषभायण भगवान ऋषभदेव द्वारा बताए गए जीवन मूल्यों को सुंदर रूप में प्रस्तुत करता है और भारतीय साहित्य, कला और संस्कृति की समृद्ध परंपराओं का गहन परिचय कराता है। सीएम ने कहा कि ऋषभायण पुस्तक का विमोचन अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें आधुनिक समाज के लिए भी शाश्वत मूल्य निहित हैं।

पूज्य यशोवर्म सूरी जी महाराज के आशीर्वचन के पश्चात मुख्यमंत्री ने धर्म परिषद का उद्घाटन किया, जिसमें अनेक संतों और आध्यात्मिक गुरुओं ने राजा ऋषभदेव के जीवन, दर्शन और विचारों पर अपने विचार व्यक्त किए, विशेष रूप से पूज्य कोठारी धर्मानंद स्वामी महाराज, दंडी स्वामी जितेंद्र सरस्वती महाराज, पूज्य महंत दयालपुरी महाराज, शांतिगिरि महाराज, गुरु माउली डिंडोरी सहित अनेक साधु-संत शामिल रहे।

इनकी रही उपस्थितिः कार्यक्रम में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, स्थानीय विधायक संजय उपाध्याय, विधायक मनीषा चौधरी, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, इस अवसर पर आचार्य नयनपद्मसागर महाराज, आचार्य लोकेश मुनि महाराज, सिख संप्रदाय से ज्ञानी राम सिंह राठौड़, संत दिव्य प्रकाश दास, पीठाधीश्वर अवधूत बाबा अरुण गिरी महाराज, महामंडलेश्वर राजेंद्र नामगिरी महाराज, पंढरपुर के स्वामी देवव्रत महाराज, स्वामी भारतानंद महाराज, पूज्य स्वरूपान, संत कोठारी स्वामी, बोधिसत्व संत महाराज तथा अनेक अन्य संत उपस्थित थे, कार्यक्रम का संचालन सेजल बेन ने किया।

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

ABHISHEK JEWELLERS
92.5 American Diamond Jewellery
शुभ अवसरों पर देने के लिये शुध्द चांदी की सैकड़ों आइटम्स एवं गिफ्ट आर्टिकल्स
60, गोयल शॉपिंग आरकेड, रेल्वे स्टेशन के सामने,
बोरिवली पश्चिम, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400092 दूरध्वनि : 022-28929858
प्रवीण कुमार कपूरचंदजी बिरावत (जैन)
(सादड़ी - राणकपुर)
भ्रमणध्वनि : 09920581212
अभिषेक बिरावत (जैन)
भ्रमणध्वनि : 09702553728
All Credit Card Accepted

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है
गायों की सेवा करो और बचाओ जान
सदियों का इतिहास हमारा, गौ-संवर्धन अपनाना है
ANIL C. SHAH
Mob: 9821411235
RUSHI GROUP
Patel House M.G. Road,
Vileparle East, Mumbai,
Maharashtra, Bharat-400057

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन में संतों ने तप, त्याग और उपवास की गौरवगाथा का किया गुणगान

नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन में 'हर मास–एक उपवास' का शंखनाद हुआ।

जैन जगत के तेजस्वी तपस्वी संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज की उपस्थिति में योग गुरु बाबा रामदेव जी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, आचार्य बालकृष्ण जी, पीठाधीश्वर बाबा बालकनाथ योगी जी, जैन संत लोकेश मुनि जी, रजत शर्मा (चेयरमैन एवं प्रधान संपादक इंडिया टीवी), डा. एस. के. सरीन, डा. अनुराग वारने, एन. पी. सिंह (चेयरमैन, भारतीय शिक्षा बोर्ड) सहित अनेक गणमान्य संतों, विद्वानों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उपवास का महात्म्य: अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि

⇨ 'उपवास केवल शरीर का नहीं, मन और आत्मा का साधन है, उपवास वह वैद्य है जो तन और मन दोनों को निरोगी बना देता है, यह आत्मविश्वास का उत्सव है।' उन्होंने कहा कि –

⇨ 'दुनिया में खाने से मरने वालों की संख्या अधिक है और न खाने (अर्थात् संयम रखने) से मरने वालों की संख्या बहुत कम। उपवास शरीर का कार्य नहीं, मन का कार्य है, यदि भारत की १४० करोड़ जनता एक दिन उपवास करे तो ७ लाख टन भोजन बच सकता है।'

आचार्य श्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का उदाहरण देते हुए कहा कि:

⇨ 'खाने की कमी उनके पास नहीं, फिर भी वे उपवासमय जीवन जीते हैं, यह उपवास संकल्प, अनुशासन और आत्मबल का प्रतीक है।'

उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि:

⇨ 'देश की संस्कृति और मातृभाषा को न भूलो, हस्ताक्षर हिंदी में करो, और भारतीयता को जीवन का संदेश बनाओ, उपवास तन को नहीं, मन को तपाता है और यही मन शुद्ध होकर आत्मा के प्रकाश का माध्यम बनता है।'

योग गुरु बाबा रामदेव जी ने कहा –

⇨ 'आचार्य प्रसन्न सागर जी ने केवल उपवास का संदेश नहीं दिया, बल्कि उसे जीवन में जिया है, वे कहते नहीं, जीते हैं, यही उनकी विशेषता है। उपवास वह साधना है जो तन और मन दोनों को संतुलित कर देती है'।

'जैन संतों की परंपरा में जो तप, त्याग और अनुशासन है, वही भारत को आत्मबल और आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जाएगा, आचार्य श्री जैसे संत समाज को तपस्या से जोड़ने आए हैं, उनका जीवन ही धर्म का जीवंत स्वरूप है।'

'तपस्या का यह जीवन किसी चमत्कार से कम नहीं' श्री रजत शर्मा इंडिया टीवी के चेयरमैन

⇨ 'मेरे जीवन में अनेक लोग आए जो खाने के लिए जीते हैं, पर बाबा रामदेव जी और आचार्य प्रसन्न सागर जी जैसे विरले लोग मिले जो जीने के लिए खाते हैं, मैंने आचार्य श्री की तस्वीरें और उनके **शेष पृष्ठ १५ पर...**

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

Vimal Jain
Mob: 8349497039
....
Near Samta Bhawan, Sadar Bazar,
Kanwan, Dhar, Madhya Pradesh, Bharat- 781001

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

देवेंद्र कुमार जैन [पाटनी]
505-बी विंग, धरती रेसिडेन्शसी, 150 फीट रोड, रीना मेहता कॉलेज पास,
भायंदर पश्चिम, जिला-ठाणे, महाराष्ट्र, भारत-४०११०१,
दूरध्वनि - ०२२-२८१९ ८७०३ भ्रमणध्वनि: ९८२१२ २३८१८

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

पृष्ठ १४ से ... उपवास देखे हैं, आज की दुनिया में ऐसी तपस्या किसी चमत्कार से कम नहीं है।'

'उपवास केवल भोजन न करना नहीं, यह मन, वाणी और क्रोध पर संयम का संकल्प है। जब मन के तूफान उठते हैं तो उपवास उस पर नियंत्रण की कला सिखाता है, ऐसे संत इस युग के प्रेरक दीपस्तंभ हैं।'

मन ठीक होगा तो पर्यावरण भी ठीक होगा भूपेंद्र यादव पर्यावरण मंत्री 'मुझे सौभाग्य मिला कि मैंने उस तपस्वी को देखा जिसने ५०० से अधिक दिनों का उपवास किया, व्यक्ति दो चीज़ों से परेशान है एक अपने मन से, दूसरा बाहरी पर्यावरण से। जब मन शुद्ध होगा, पर्यावरण अपने आप सुधर जाएगा। जैन धर्म के पंच महाव्रतों में ही योग की नींव छिपी है।'

डॉ. एस. के. सरीन — 'उपवास की शिक्षा बच्चों से शुरू करें'

'आज जरूरत है कि बच्चे भी उपवास के महत्व को समझें, जब माता–पिता उपवास करें तो बच्चे पूछें – क्यों? तब उन्हें बताएं कि यह स्वास्थ्य, संयम और पुनर्जागरण की साधना है, तभी 'हर मास–एक उपवास' हर परिवार का संस्कार बनेगा।'

अन्य संतों और विद्वानों के उद्बोधन:

जैन संत लोकेश मुनि जी ने कहा 'आत्मबल और आत्मशुद्धि का मार्ग उपवास से ही संभव है।'

बाबा सत्यनारायण मौर्य जी ने भावपूर्ण शब्दों में कहा –

➩ 'जब उपवास से महावीर का मन न भरा, तो प्रसन्न सागर बनकर वही आत्मा फिर इस धरती पर आया।'

संघस्थ मुनि सौम्यमूर्ति मुनि पीयूष सागर जी ने कहा –

➩ 'उपवास का अर्थ है – अब मैं किसी का गुलाम नहीं, निज पर शासन और अनुशासन स्थापित करना ही उपवास है।'

मुनि सहज सागर जी ने अपने जीवन की आत्मयात्रा सुनाते हुए कहा – 'नर से नारायण बनने का मार्ग उपवास और संयम से ही निकलता है।'

आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा – 'अब मैं भूखे रहकर भी बलवान बनने की कला गुरुदेव से सीख रहा हूं, उपवास अब मेरा जीवन का हिस्सा बनेगा।'

एन. पी. सिंह जी ने शिक्षा प्रणाली में उपवास के महत्व को जोड़ने की आवश्यकता बताई।

डॉ. अनुराग वारने ने कहा 'उपवास से न केवल मनुष्य की उम्र बढ़ती है, बल्कि पशु-पक्षियों की भी आयु में वृद्धि होती है।'

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी ने 'हर मास–एक उपवास' का संकल्प लेते हुए आचार्य श्री के तप और त्याग की सराहना की।

हर मास–एक उपवास अभियान का विधिवत शुभारंभ

'इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम महीने में एक दिन उपवास हेतु प्रेरित करना है, ताकि तन, मन और समाज, तीनों की शुद्धि का वातावरण बने।'

कार्यक्रम की शुरुआत आर्या जैन ग्रुप की बालिकाओं ने मंगलाचरण नृत्य से की, तत्पश्चात सभी अतिथियों का अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज द्वारा लौंग की माला और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर गुरुदेव की पुस्तक 'अष्टापद यात्रा' का लोकार्पण भी हुआ कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मचारी तरुण भैया द्वारा किया गया।

- 'हर मास–एक उपवास' आत्मशुद्धि से विश्वमंगल की ओर एक जन–आंदोलन का आरंभ' नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद, रोमिल पाटणी सोनकच्छ

'जैन एकता' से ही होगा जैन समाज का विकास व बढ़ेगा सम्मान मिल कर कहें, हम-सब जैन हैं
विनोद शांतीलाल गांधी जैन

पूना टायर्स
अधिकृत विक्रेते
❖ अपोलो ❖ ब्रिजस्टोन ❖ सिएट ❖ कॉन्टिनेंटल
❖ गुड इयर ❖ जे.के. ❖ एम.आर.एफ ❖ मिचेलीन
❖ विक्रांत टायर्स, ❖ योकोहामा, ट्यूब्ज, फ्लॅप्स, एडीव्ही व्हील्स
जे. के. स्टील व्हील्स्
कॉम्प्युटर व्हील अलाइनमेंट व बेलेन्सिंग
दुकान नं. 1, 3, 4, 5 व 8 सूर्यप्रकाश अपार्टमेंट,
मार्केट यार्ड रोड, पुणे, महाराष्ट्र, भारत-411037
दूरध्वनिः 020-24211979, 24210949, 24211939 निवासः 020-24210109

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है
GOUTHAM CHAND SETHIYA
Mob. : 9844064064 / 8310999891
HI-TECH
INDO PACK
(Plastic manufacture of Hdpe cans and barrels)

#20, Nayandahalli, Muthachari Ind. Estate, Mysore Road, Bangalore, Karnataka, Bharat 560039
Ph. : 080 - 26746877 | Website : Hitechblow.com

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

णमोकार तीर्थ की प्राण प्रतिष्ठा फरवरी में-आचार्य देवनंदी जी महाराज

श्री कुंथूगिरि तीर्थ प्रणेता गणाधिपति कुंथूसागर गुरुदेव के परम आत्मीय शिष्य णमोकार तीर्थ प्रणेता सारस्वताचार्य आचार्य देवनंदी गुरु ससंघ 'णमोकार तीर्थ' नाशिक जिले के चांदवड तहसील के मलसाने में उनके सानिध्य में ६ फरवरी से २५ फरवरी २०२६ तक अंतरराष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा व महामस्तकाभिषेक समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में छत्रपति संभाजीनगर गुरु भक्त परिवार की ओर से उपस्थित भक्तों को महाप्रसाद की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य संयोजक पद पर शहर के आर. आर. पहाडे व सहसंयोजक पद पर विपीन कासलीवाल को नियुक्त किया गया है।

कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए आचार्य देवनंदी गुरु के सानिध्य व पंचायत के पूर्व अध्यक्ष ललित पाटणी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, बैठक में छत्रपति संभाजीनगर के गुरु भक्त परिवार से बड़े पैमाने पर गुरुभक्त उपस्थित थे। बैठक में पंचायत के पूर्व अध्यक्ष ललित पाटणी ने भोजन व्यवस्था के नियोजन रुपरेखा के बारे में जानकारी दी, सभी नियोजनों पर आचार्य देवनंदी महाराज को पूरा आयोजन सही तरीके से करने का आश्वासन ललित पाटणी ने दिया, इस अवसर पर आचार्य देवनंदी महाराज ने छत्रपति संभाजीनगर के जैन समाज व गुरुभक्त परिवार को आर्शीवाद देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सभी का है, इसलिए उपस्थित रहें। 'णमोकार' तीर्थ उपाध्यक्ष महावीर गंगवाल, संघचालिका ब्र वैशाली दीदी, निलम अजमेरा सहसंयोजक विपीन कासलीवाल, महेंद्र पहाडे, डॉ आर. सी. बडजाते, प्रकाश ठोले, विनोद लोहाडे, अमित कासलीवाल, महेंद्र ठोले, सुनील पाटणी, मनोज चांदीवाल, निलेश काला, मुकेश कासलीवाल, रवि पहाडे, संतोष बडजाते, राजू गोधा, संतोष कासलीवाल, नाशिक के पारस लोहाडे, आनंद काला सहित छत्रपति संभाजीनगर के गुरु भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल, औरंगाबाद

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

गायों की सेवा करो और बचाओ जान
सदियों का इतिहास हमारा, गौ-संवर्धन अपनाना है

NIRMAL GOLCHHA
Mob: 8486520323

Ghewar Chand Keshri Chand Golchha pariwar
Nokha, Delhi, Guwahati

Second Floor, G.M. Tower, Near Khushboo Restaurant,
M.S. Road, Fancy Bazar, Guwahati
Assam , Bharat- 781001

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

वर्ष २०२६ सुख-समृध्दि व स्वास्थ पूर्वक हो

दिव्य आशीष

Late. Pannalalji Dungarwal   Late Basantabai Dungarwal

Pannalal Rajendra Kumar
Mukesh Kumar
Garv Kumar
Sharmila, Shital & Drithi Dungarwal Jain

6-5-408, New Bhoiguda, Secunderabad, Telangana, Andhra Pradesh, Bharat- 500003
Phone- 040-27531490, Mob.- 9394731037

समाज में चुनाव दुश्यनी का छोतक जैन समाज, आत्ममंथन करे

हैदसबाद: एक करोड़ की आबादी वाले महानगर हैदराबाद में, जहाँ जैन समाज की संख्या महज़ पचास हजार के आसपास है, वहाँ केवल ४१०० वोटों को लेकर गत दिनों जो घमासान मचा, वह अब सिर्फ हैदराबाद तक सीमित नहीं रहा, देश के अलग-अलग शहरों से फोन आ रहे हैं, टिप्पणियाँ आ रही हैं और दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारे समाज की छवि मजाक बनती जा रही है। सोचने की बात है, क्या यही वह पहचान है, जिसके साथ हम पहचाने जाते हैं?

क्या यही उदाहरण हम अगली पीढ़ी के लिए छोड़कर जा रहे हैं?

'जिस समाज ने संयम, शांति, अहिंसा और विवेक को अपनी पहचान बनाया', वही समाज आज मैं और तू, मेरी जीत-तेरी हार में उलझकर आपसी भाईचारे में ज़हर घोल रहा है, चुनाव एक प्रक्रिया है, संस्कार नहीं। पद अस्थायी होते हैं, 'लेकिन रिश्ते, विश्वास और समाज की गरिमा स्थायी होती है।'

सवाल यह नहीं है कि कौन जीता या कौन हारा, सवाल यह है कि क्या हमारा समाज हार गया ?

आज बाहर वाले हम पर हँस रहे हैं, उंगलियाँ उठा रहे हैं, यह किसी एक व्यक्ति, एक पैनल या एक विचारधारा की हार-जीत का मुद्दा नहीं है, यह पूरे हैदराबाद जैन समाज की फजीहत का विषय बन चुका है।

अब भी समय है, कृपया इन झमेलों से बाहर आइए।

'कटुता, आरोप-प्रत्यारोप और अहंकार को यहीं विराम दीजिए'

एक-दूसरे को नीचा दिखाने में नहीं, एक-दूसरे को थामने में महानता है।

याद रखिए! 'हम अल्पसंख्यक हैं, लेकिन कमजोर नहीं'

'हम कम हैं, लेकिन संगठित हों तो प्रभावशाली हैं'

आइए, एकता और भाईचारे को अपनाएं, मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं। विचार अलग हो सकते हैं, फिर से अपनी ताकत बनाएँ, लायक उदाहरण छोड़िए, दिल अलग नहीं होने चाहिए, अपने समाज की मर्यादा बचाइए। 'आज अगर नहीं संभले, तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा' जय जिनेन्द्र....

-विजय उगमराज सुराणा
हैदराबाद

स्वागतम २०२६

स्वागतम-स्वागतम-स्वागतम
नववर्ष का स्वागत करता पूरा भारत
२१ वीं सदी का भारत, निर्णय लेता अद्भुत
पूर्ण विश्व में परचम, अपना जो है लहराया
विश्व गुरु है बनकर, भारत महान बनाया
गर्व हमें है उन पर, जो निर्णायक शक्ति बन कर
बड़े लक्ष्य तय करता और आगे बढता रहता
गर्मजोशी से स्वागत हर देश 'भारत' का करता
विकास प्रगति परिवर्तन और अर्थव्यवस्था
सर्वोत्तम बन कर आई
और तय सीमा के अन्दर, अपने लक्ष्यों को पूरा करता
ना झुका है भारत, ना झुकेगा भारत
ये राजनीति का खेला, सोच समझकर झेला
जो करते हैं किंतु परंतु, अब समझ गये वो बंधु
और देशवासियों देश प्रेमियों, अपना ये अद्भुत भारत
नए साल में नई सोच से, जन-जन का कल्याण करेगा
मानवता के लिए दीप स्तंभ है 'भारत' देश महान बनेगा!

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

KATARiA INSURANCE
Textile, Jewellery & More
9821338880
Jewellery Textile Fire Burglary

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

गायों की सेवा करो और बचाओ जान सदियों का इतिहास हमारा, गौ-संवर्धन अपनाना है

हनुमान प्रसाद संतोष कुमार जैन
भ्रमणध्वनि : ९४३५०७६१२०, ९४३५७००८२२

हनुमान प्रसाद संतोष कुमार जैन
पूर्व बाजार, श्री भूमि (करीमगंज), आसाम, भारत -७८८७११

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

युवा समाजसेवी, गौ सेवक कार्य सम्राट बैंगलुरू निवासी महेंद्र मुणोत के कार्यों की झलकियां

कर्नाटक अमेच्योर शूटिंग बॉल एसोसिएशन द्वारा रामसन्द्रा स्थित इनोवेटिव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में अस्मिता खेलो इंडिया कर्नाटक वूमेन्स शूटिंग बॉल लीग २०२५-२६ कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि श्री महेंद्र मुणोत!

ओम शक्ति देवस्थान मागड़ी रोड विद्यारण्य नगर चोलूरपाल्या में विशेष पूजा कार्यक्रम का आयोजन हुआ, मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं २५ से भी ज्यादा महिला श्रद्धालुओं के जत्थे को ओम शक्ति देवस्थान तमिलनाडु की यात्रा के लिए हिंदू ध्वज लहराकर रवाना किया एवं उन्हें शुभकामनाएं दी। आयोजकों ने श्री मुणोत को सम्मानित किया।

जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदिके द्वारा वय्यालिकावल मल्लेश्वरम स्थित श्रीकृष्णदेवराय कला मंदिर में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कन्नड़ विषय में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले मैट्रिक एवं पीयूसी के विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, वेदिके के अध्यक्ष कृष्णप्पा एवं अन्य। धन्यवाद।

करुनाडु डॉ राजकुमार अभिमानी संघ द्वारा कुरूबारहल्ली जेसी नगर में नगर देवता श्री अण्णम्मा देवी वार्षिकोत्सव ऊरा हब्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की, आयोजकों ने श्री मुणोत को सम्मानित किया!

शिवपुत्र विनायक गेळेयरा बळगा द्वारा हंपी नगर में बेंगलुरु नगर देवता श्री अण्णम्मा देवी उत्सव का आयोजन किया गया, मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, हेमंत गौड़ा, शांताबाई भंडारी ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया, आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया!

कर्नाटक मानव अधिकार संरक्षण एवं नागलक्ष्मी चौधरी जन सेवा संस्था के संयुक्त आश्रय में बेंगलुरु के लग्गेरे स्थित बसवेश्वर कल्याण मंडप में वृक्ष माता सालूमरदा तिमक्का सेवा रत्न पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

बसवराज मलकट्टी, निश्छल आनंद स्वामी, सुशीला गौड़ा, एस.पी. आचार्य और गणेश गौड़ा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कर्नाटक के विभिन्न क्षेत्रों से आए ९२ साधकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। इसके बाद अपने संबोधन में मुणोत जी ने कहा, 'अपने अधिकारों की रक्षा में हमें सतर्क रहना चाहिए, लेकिन अपने कर्तव्यों को नहीं भूलना चाहिए।'

जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

सारा जमाना पदम जैन का दीवाना

हजारों परिवारों को रिश्तों में जोड़ने वाले पदमचंद जैन का हर कोई दीवाना

वैवाहिक दुनिया के बेताज बादशाह के रूप में सुप्रतिष्ठित पदमचंद जैन की आज दुनिया दीवानी है। दुनिया जिन उद्योगपतियों, फिल्मी सितारों की दीवानी है, वे सारे पदमचंद जैन के दीवाने है। और हो भी क्यों नहीं? आखिर देशभर में अब तक नामी-गिरामी परिवारों को आपस में वैवाहिक रिश्तों में जोड़ने का कीर्तिमान जो स्थापित किया है। जयपुर में एक शादी के आयोजन में जीतो के श्रेष्ठीवर्य से मुलाकात हुई। इनमें तारक मेहता का उल्टा चश्मा के फेम शैलेष लोढा, शेयर मार्केट के दिग्गज मोतीलाल ओसवाल, प्रमुख बिल्डर सुभाष रूणवाल, सेलो ग्रुप के प्रदीप राठौड, इन्स्पीरा के प्रकाश जैन, डॉ. सुरेन्द्र जैन युएसए, प्रकाश कानुगो, तेजराज गुलेच्छा, किशोर खाबिया, राकेश मेहता, शांतिलाल कवाड़, संदिप बाफना सहित अनेक दिग्गजों से मुलाकात हुई। पदमचंद जैन ने अपनी चिर परिचित शैली में सभी का आत्मीय स्वागत किया। रूणवाल परिवार में वैवाहिक आयोजन के अवसर पर परिवार को बधाई दी। पूरे भारत में ओसवाल जैन बच्चों के वैवाहिक बायोडेटा के लिए पदमचंद जैन एक जाना-माना नाम है। राजनीति, प्रशासनिक, समाजसेवी, ब्यूरोक्रेटस उद्योगपति, सहित हर क्लास परिवार के बच्चों के बायोडेटा उपलब्ध है। सच में इतनी दीवानगी देखी नहीं कहीं। हर जुबां पर पदमचंद जैन का नाम।

▪ आपके सपनों को पूरा करने वाली टीम ▪

आईजेवीओ यानी पदम परिवार की यह टीम आपके बच्चों के लिए तलाशती हैं एक-से-बढ़कर एक सुंदर रिश्तों वाला बायोडाटा

दुल्हन वही जो पिया मन भाए, बहु वही जो सास मन भाए

रिश्तों के बेताज बादशाह **पदमचंद जैन**

॥ श्री पार्श्वनाथाय नमः ॥

रिश्तों का मंडप आई जे वी ओ

विश्वस्तरीय ओसवाल-दिगम्बर जैन एवं वैश्य समुदाय के 8 हजार से अधिक वैवाहिक रिश्ते करवाने का गौरवशाली कीर्तिमान स्थापित

9314510196 / 9602623456

FCP JITO
पदमचंद जैन

प्रोफेशनल, सीए, पायलट इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, आरएएस, फिल्म, राजनैतिक क्षेत्र के अलावा हर वर्ग और क्षेत्र में कार्यरत युवा-युवतियों के लिए जांचे परखे वैवाहिक रिश्तों का खजाना

1 जून से 2000 से सतत आपकी सेवा में तत्पर

IJ VO

जैन - वैश्य वैवाहिक रिश्तों का आखिरी पड़ाव

एक छत के नीचे उपलब्ध सेवाएं

वैवाहिक-रोजगार, छात्रवृत्ति, विधवा पेंशन, मेडिकल हेल्प, प्रशासनिक एवं कानूनी सलाह, धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सदैव अग्रणी सहयोगी

इंटरनेशनल जैन एवं वैश्य ऑर्गनाइजेशन
1662-बी, ए.पी. अपार्टमेंट, मोतीडूंगरी रोड, जयपुर-04
फोन : 0141-2602626

अपनों से हो अपनों का रिश्ता

इस केन्द्र की स्थापना से लेकर अब तक लगभग 50 हजार से अधिक वैवाहिक रिश्तों के बायोडेटा आ चुके हैं और निरंतर वृद्धि हो रही है। इस केन्द्र के कम्प्यूटर फीड बायोडेटा में बड़ी आसानी से मनवांछित रिश्ते के लिए बायोडेटा पलक झपकते ही उपलब्ध हो जाते हैं। देश में आज इतना बड़ा नेटवर्क कहीं देखने को नहीं मिलता जहां सभी बायोडेटा वेरीफाईड हो अर्थात प्रत्येक बायोडेटा की पूर्ण सूक्ष्मता से जांच की जाती है, उसके बाद ही बायोडेटा प्रोसेस में अग्रेषित होते हैं। इस केन्द्र में देश-विदेश के जैन-वैश्य समुदाय के हर क्षेत्र के युवक-युवतियों के वैवाहिक बायोडेटा उपलब्ध हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा हो, सी.ए. हो, आई पीएस हो या राजनीति, समाजसेवा के क्षेत्र से हो, देश का ख्यातनाम औद्योगिक घराना हो या फिर मीडिया हो या फिल्मी क्षेत्र हर क्षेत्र के युवक-युवतियों के बायोडेटा का नायाब खजाना है। संकोच नहीं, सम्पर्क करें : पदमचंद जैन -

सेवा के सरोकार
छात्रवृत्ति
मेडिकल शिक्षा
रोजगार
विधवा पेंशन

उक्त आवेदकों की जानकारी पूरी तरह से गोपनीय रखी जाती है।

अशोक सिरोया	चंद्रराज सिंघवी	डॉ. प्रकाश गोलेछा	नरेन्द्र कुमार जैन	बसंत जैन	संजय जैन	सुरेन्द्र कुमार जैन
अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय अध्यक्ष	योजना मंत्री	राष्ट्रीय अध्यक्ष, यू.वि.	राष्ट्रीय संगठन मंत्री	कोर्डिनेटर	राष्ट्रीय प्रचार मंत्री

सेवा के पथ पर अग्रसर टीम आईजेवीओ

1662-बी, ए.पी. अपार्टमेंट, वैभव लॉन के पास, हनुमान मंदिर के सामने, मोतीडूंगरी रोड, जयपुर-04
फोन : 0141-2602626 / 4010196 email: neerapadamjain@gmail.com

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

''यक्ष रक्षित जिनालयोभ्य नमः''

जयपुर नगर से १३ कि.मी. दक्षिण की ओर स्थित 'सांगानेर' नगर राजस्थान के प्राचीनतम नगरों में प्रमुख है और इस नगर की शोभा में चार चांद लगाने वाला है श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, जो प्राचीनतम स्थापत्य कला का प्रतिनिधित्व करता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह मन्दिर कई चरणों में बनाया गया है और वेदी के एक तोरणद्वार में उत्कीर्ण सम्वत् १०११ के लेख के अनुसार मन्दिर के अन्तिम चरण का निर्माण १० शताब्दी का माना जा सकता है।

मन्दिर के उतुंग गगनचुम्बी आठ शिखरों एवं १२ छोटे शिखरों को दूर से देखकर ही दर्शक को जिन-बिम्बों के दर्शनों की इच्छा तीव्र हो जाती है और खजुराहो के शिखरबद्ध मन्दिरों का स्मरण हो आता है तथा मन्दिर के निर्माताओं के प्रति से श्रद्धा से मस्तक स्वयंमेव झुकने लगता है। दर्शक मन्दिर की कलाकृतियों को बाहर से देखकर प्रसन्न होता हुआ, जब मन्दिर में प्रवेश करता है तो प्रवेशद्वारों पर प्राचीन कलाकृतियों को देखकर माउंटआबू के 'देलवाड़ा' मन्दिर के प्रवेश द्वारों को स्मरण किये बिना नहीं रह सकता।

जिन मन्दिर में प्रवेश करते ही चौक में दीवारों पर उत्कीर्ण भित्तीचित्रों से भी हमें ज्ञात होता है कि यह आठवीं व दसवीं शताब्दी के ही बने हुये हैं। मन्दिर के द्वितीय चौक में पाषाण की तीन शिखरों की विशाल वेदी बनी हुई है जिसके पाषाण में कमल-पुष्प, बेला एवं तीर्थंकरों के सिर पर जलाभिषेक करते हुये हाथियों का शिल्प-सोष्ठव देखते ही बनता है, इसी चोक में चारों ओर चार फेरियां व तीन छोटे जिनालय हैं, जिनमें अनेक प्रतिमाएँ विराजमान हैं। प्रतिमाओं पर अंकित लेख इतिहास की धरोहर है। वेदी के पृष्ठभाग में मूलनायक प्रतिमा तीर्थंकर आदिनाथ जी की है, यह प्रतिमा काफी प्राचीन है, इस आलौकिक प्रतिमा का रहस्योद्घाटन करते हुये जैन आचार्यों ने एवं मुनियों ने बताया कि यह प्रतिमा साक्षात जिनेन्द्र भगवान की अनुभूति कराती है, इसकी शरण में आने से श्रृद्धालुओं को व्याधियों से मुक्ति मिलती है एवं इसके स्मरण से सदैव आत्मबल मिलता है, उनके अनुसार यह प्रतिमा प्रतिक्षण रूप परिवर्तित करती है और यह हमें प्रति क्षण नई दिशा प्रदान करती है, यह चतुर्थकालीन महाअतिशयकारी 'प्रतिमा सांगानेर वाले बाबा' के नाम से प्रसिद्ध है।

मुनिश्री सुधासागरजी महाराज 'सांगानेर वाले बाबा' के अतिशयों को इतिहास, शिलालेख एवं अपने ज्ञानचक्षु से अनूभूत कर, बाबा के अतिशयों की महिमा बताई, जबसे प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु बाबा के दर्शनों से अपनी मनोकामनाएं पूर्ण कर संकटों से मुक्ति पा रहे हैं, जो भी व्यक्ति पूजन, अभिषेक, आरती, दीप, छत्र इत्यादि चढाता है, वह बाबा के अतिशयों से लाभान्वित होता होकर अपनी गृहस्थ, सांसारिक एवं परमार्थिक जीवन को मंगलमय बना लेता है, अर्थात सांगानेर वाले बाबा को संकटमोचन, शान्तिदाता, विघ्नहर, चतुर्थकालीन चमत्कारी बाबा आदि नामों से भी श्रद्धालु पुकारते हैं। **शेष पृष्ठ २१ पर...**

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

पृष्ठ २० से ... मन्दिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह मन्दिर सात मंजिला है, तलघर के मध्य में यक्षदेव द्वारा रक्षित प्राचीन जिन चैत्यालय विराजमान है, इसकी विशेषता है कि जिस स्थान पर यह विराजमान हैं वहां मात्र बालयती तपस्वी दिगम्बर साधु ही अपनी साधना के बल पर प्रवेश कर सकते हैं। चैत्यालय को निकालते समय निकालने वाले साधक को अपनी संकल्प शक्ति व्यक्त करना पड़ती है कि इसको इतने समय के लिये भूगर्भ से बाहर श्रावकों के दर्शनार्थ ले जा रहे हैं और अमुक समय पर लाकर विराजमान कर दिया जायेगा, संकल्प समय के अन्दर ही इस चैत्यालय को भूगर्भ में वापस ले जाना अनिवार्य होता है, इसमें विलम्ब करने पर अनेक प्रकार के अशुभ संकेत देखने में आते हैं, यह इस मन्दिर की सबसे बडी अतिशयता है एवं इससे प्राचीनता स्पष्ट नजर आती है।

भूगर्भ स्थित यक्ष रक्षित प्रतिमाओं के साथ
आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज ससंघ

मंदिर की आलौकिक अतिशय युक्त प्रतिमाओं को भूगर्भ से जनता के दर्शनार्थ

अपनी साधना सामर्थ्य के अनुसार प्रथम बार सन् १९३३ में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज, उनके पश्चात सन् १९७१ में आचार्यश्री देशभूषण जी महाराज, सन् १९८६ में आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज, सन् १९९२ में गणधराचार्य श्री कुन्थुसागरजी महाराज एवं सन् १९९४ व १९९९ में मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज निकाल कर बाहर लाये थे, २० जून से २४ जून १९९९ को भूगर्भित जिनबिम्बों का अमृतसिद्धि दर्शन १००८ कलशों से महामस्तकाभिषेक एवं मन्दिरजी के ऊपर प्रथम बार अपनी सम्पूर्ण जीवन साधना के अर्जित तपोबल से मुनिश्री १०८ सुधासागरजी महाराज ने भूगर्भ स्थित तीसरी मंजिल से आगे चौथी मंजिल से पहली बार ३२ जिनबिम्ब अतिरिक्त निकालकर लगभग १० लाख जनता को दर्शन कराकर जीवन को धन्य किया।

यक्षरक्षित भूगर्भ स्थित जिनबिम्बों को बाहर दर्शनार्थ निकालने के बाद मुनिश्री ने कहा कि 'लोग भी जाने कहां-कहां दुनिया के संकट दूर करने जाते है, मैं कहता हूँ कि 'सांगानेर' की प्रतिमाओं में तो चमत्कार है ही, साथ में 'सांगानेर' के मन्दिर को नमस्कार करने में भी वह चमत्कार है जो सारी दुनियां में नहीं हो सकता, क्योंकि इस मन्दिर में ऐसी वर्गणायें विद्यमान हैं।

मन्दिरजी में वास्तुसार के अनुसार मूलवेदी में कुछ त्रुटियां थी जो कि परम पूज्य मुनिश्री सुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से दूर की गई, जिसके कारण मन्दिर चहुँमुखी विकास की ओर द्रुतगति से अग्रसर हुआ, इसी कड़ी में आज मन्दिरजी का भव्य सुधासागर सिंह द्वार बारीक शिल्प कलायुक्त बन गया है तथा मन्दिरजी के प्रथम चौक के दायें-बायें बरामदों के

उपर चौबीसी का निर्माण हो गया है, यह निर्माण भी मन्दिर की पुरातत्वता को ध्यान में रखते हुये लाल पत्थर पर बारीक खुदाई व अनेक प्रकार के भित्ती चित्रों से सुशोभित किया गया है।

जिनमन्दिर के मुख्य प्रवेश द्वार के दोनों तरफ दीवार पर भक्तामर स्रोत के ४८ काव्यों को सचित्र दर्शाते हुये बारीक शिल्पकला युक्त लाल पत्थरों की जुड़ाई का कार्य भी देखते ही बनता है जो कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में पत्थर पर भक्तामर स्तोत्र वर्णन का प्रथम प्रयोग ही है।

मुनिपुंगव सुधासागरजी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से मन्दिर के दर्शन हेतु श्रद्धालुजन तो आते ही हैं, प्रतिदिन बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक मन्दिर की स्थापत्य कला को देखने के लिये आते हैं। बाहयरूप **शेष पृष्ठ २२ पर...**

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है
Shripal Jain
Director
Mob. : 09391100974
NEHA CHEMICALS
HYDERABAD (SINCE 1992)
(PHARMA HOUSE)
API's & Pharmaceuticals Raw Material
MANUFACTURERS, IMPORTERS & EXPORTERS
- API'S (Bulk Drugs)
- Intermediate
- Chemical & Solvents
- Excipients
- Ingredients
- Food Products
- Nutraceutical
- Amino Acid
- Agro & Fertilizers
- Veterinary
- Aquaculture
- Pharmaceuticals Raw Material

Plot No.983, 984, Survey No. 163, Jeedimetla, Opp. Lane SVSS weigh bridge, Dhoolapally, Quthbulapur Mandal, Hyderabad, Telangana, Bharat- 500 055
Email: nehabulkdrugs@gmail.com Web: www.neha-chemicals.com

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

पृष्ठ २१ से ... को देखने के बाद जब वेदी में विराजमान जिन प्रतिमाओं की वीतरागता को देखते हैं तो अपनी नास्तिकता को तिलांजली देकर आस्तिकता की ओर सहज ही आकर्षित हो जाते हैं।

मन्दिर के अतिरिक्त नगर में छः मन्दिर और हैं वह भी अतिप्राचीन कलायुक्त

एवं भव्य हैं, मन्दिर के अन्तर्गत १.५ कि.मी. दूरी पर श्री दिगम्बर जैन वीरोदय मन्दिर, 'वीरोदय नगर' में स्थित है। मुनिपुंगव के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से इस मन्दिर में ११ फीट उतुंग पदमासन में तीर्थंकर महावीर की प्रतिमा विराजमान की जानी है, जहां पर लगभग २५०० हजार श्रद्धालु एक साथ बैठ सके ऐसा विशाल मन्दिर निर्मित किया जा रहा है, तथा इसी प्रांगण में श्री दिगम्बर जैन मोहनीदेवी बडजात्या वानप्रस्थ आश्रम, जिसमें १२ फ्लेट एवं तीन बडे हॉल पूर्ण आधुनिक सुविधा एवं साज सज्जा से युक्त निर्माण पूर्ण हो चुका है,

मन्दिर के द्वितीय भूखण्ड पर परम पूय मुनिपुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से महाकवि आचार्य ज्ञानसागर छात्रावास स्थापित है, जिसका संचालन श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा किया जाता है। श्रमण संस्कृति समर्थक लगभग १६० विद्वानों को निरन्तर अध्ययन अध्यापन कराकर तैयार किया जाता है जो दसलक्षण पर्व एवं शिविर आदि लगाकर भारतवर्ष में जैन धर्म की प्रभावना कर रहे हैं।

यह क्षेत्र प्राचीन काल से शास्त्र भण्डार का केन्द्र रहा है, यहां पर शास्त्रों की पाण्डुलिपी तैयार कराई जाती थी, लेकिन परिस्थितियांवश यह परम्परा विच्छिन्न हो गई हैं, लेकिन सन् १९९६ में मुनिपुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से तीर्थंकर ऋषभदेव ग्रंथमाला की स्थापना हुई, इस ग्रंथमाला ने प्राचीन आचार्यो के, महाकवि ज्ञानसागरजी महाराज के उच्चकोटि का सम्पूर्ण साहित्य, आचार्य विद्यासागरजी महाराज के उच्चकोटि का सम्पूर्ण साहित्य एवं मुनिपुंगव सुधासागरजी महाराज का सम्पूर्ण साहित्य तथा शोधग्रंथों सहित लगभग १५० ग्रंथों का प्रकाशन कर साहित्य जगत को समर्पित किये गये हैं। संस्था से प्रकाशित साहित्य के साथ सम्पूर्ण दिगम्बर जैन शास्त्र एवं साहित्य उचित मूल्य पर इस क्षेत्र के अतिरिक्त नारेली अजमेर से पाठकों को सदैव उपलब्ध कराया जाता है।

आचार्य विद्यासागरजी महाराज एवं मुनिपुंगव सुधासागरजी महाराज के प्रवचनों भजनों की कैसेट्स एवं सी डी. आदि भी उपलब्ध कराई जाती है, इसका मूल उद्देश्य मात्र जिज्ञासुओं को सहजता से अपनी ज्ञान पिपासा शांत करने के लिये ज्ञान सामग्री उपलब्ध कराना है। मन्दिरजी की प्राचीन पाण्डुलिपियों

का भी संग्रह कर उन्हें सुरक्षित रखा जाता है, अतः भारतवर्ष में जहां पर पाण्डुलिपि आदि की सुरक्षा न हो, उसको सादर आमंत्रण है कि इस शास्त्र भण्डार को पाण्डुलिपियां प्रदान कर, दीर्घकालीन तक शाश्वतता प्रदान करने के लिये मुनिपुंगव की प्रेरणा से जैन आगम को ताम्रपत्र पर टंकोत्कीर्ण कराकर महान कार्य किया जा रहा है। जीर्णोद्धार एवं नवनिर्माण के क्रम में मन्दिरजी में यात्रियों की बढती हुई जनसंख्या को देखते हुये आधुनिक सुविधाओं के आधार पर धर्मशाला, भोजनशाला आदि की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

मन्दिर की भावी योजनाओं की सफल क्रियान्विती तथा मन्दिर के जीर्णोद्धार हेतु श्रावकगण अपनी आर्थिक शक्ति को न छुपाते हुये उदार मन से इस कलापूर्ण विश्वविख्यात मन्दिर के लिये अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग देकर अक्षय पुण्यार्जित प्राप्त करें।

कलापूर्ण देवोत्तर सम्पदा के सर्वांगीण विकास, जीर्णोद्धार, रख-रखाव एवं नव-निर्माण हेतु मुक्त हस्त से दान देकर सातिशय पुण्य के भागी बनें।

महावीर जैन, भ्रमणध्वनिः ९४१४३३९८४२

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

पॉलीथिन गो-ग्रास सँग, खाती माता गाय।
आँतों में फँस जात है, तब संकट बढ़ जात।

JAYDEE GROUP

Mukesh Jain
Mob: 9810019778
Jay Dee Exports | Jay Dee Overseas Pvt. Ltd.

Head Office & Main Unit : A-35, G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi, Bharat - 110033
M:9871091616 | Email: info@jaydeeexports.com | Web: www.jaydeeexports.in

'हम भारत के उच्च गुणवत्ता वाले कपड़े और परिधान निर्माता हैं और १९६२ से एक विश्वसनीय परिधान निर्यातक हैं, हम अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार सभी प्रकार के पहनने के लिए तैयार बुने हुए और कढ़ाई वाले कस्टम-डिज़ाइन वाले कपड़े और परिधान प्रदान करते हैं। हमारे पास महिलाओं के परिधान, पुरुषों के परिधान, बच्चों के परिधान और फैशन के सामान की इन-हाउस परिधान डिजाइनिंग और परिधान निर्माण। सामाजिक और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के साथ, डिजाइनरों, गुणवत्ता नियंत्रकों और आवश्यक प्रशिक्षित कर्मचारियों की एक महान टीम द्वारा समर्थित जे.डी. एक्सपोर्ट्स बनाया गया है, भारत में सबसे अग्रणी परिधान निर्माता और परिधान निर्यातक में से एक, जिसके १० से अधिक देशों में ग्राहक हैं।'

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

आज के लोगों का व्यवहार हाथी के दांत जैसा हो गया है- अंतर्मना श्री प्रसन्न सागर.जी

तरुणसागरम तीर्थः सरल व्यक्ति पवित्र नदी जैसा होता है, यूं ही खाते पीते टाइम पास करते मर जाना दुर्भाग्य की बात है, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज एवं उपाध्यक्ष पियूष सागर जी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर विराजमान हैं, उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों संपन्न हो रहे हैं, उस श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि समय से मरना फिर लोगों के दिलों में जिंदा रहना, यह सत्कर्म सेवा परोपकार की बाते हैं, आजकल सबका व्यवहार हाथी के दांत जैसा हो गया, खाने के और दिखाने के कुछ और, दो प्रकार के लोग हैं इस दुनिया में, एक सरल मन वाले, दूसरे कुटिल बुद्धि वाले, सरल मन वाले व्यक्ति उस नदी की तरफ पवित्र और पावन है, जो निश्छल मन से समुद्र से मिलने के लिए सतत प्रवाह हो रही है, जो बह रही है, वह नदी है, अनेक संकटों से जुड़ते हुए, गिरते-पड़ते- बस जा रही है, सिर्फ एक ही लक्ष्य है, अनंत में विलीन होना और उसका अपना कोई मकसद नहीं है, ऐसे ही सरल मन वाले व्यक्ति पर परमात्मतत्व को उपलब्ध हो जाते हैं, इसलिए मेरे निर्ग्रंथ साधु को यानि दिगम्बर जैन साधु को बालक व्रत निर्विकारी की उपमा से अलंकृत किया गया है, दिगम्बर जैन साधु शिशुवत जीवन जीता है, कोई भी मजहब की माता, बहन आ जाए, लेकिन दिगम्बर जैन साधु के मन में किंचित भी विषय, विकार, वासना का भाव नहीं आता, सभी माता बहनों के प्रति समदृष्टि रखता है, एक गीत आपने सुना होगा,

ओ रे! ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में,
सागर में मिले कौन से जल में कोई जाने, ना ओ रे!

दूसरे हैं कुटिल बुद्धि के लोग जो हमेशा अपने किसी न किसी अधेड़ बुन में व्यस्त रहते हैं, इसकी टोपी उसके सर पर, उसकी टोपी इसके सर पर, जिनका काम होता है, आज देश और समाज में अच्छे लोग भी खोटा सिक्का चलाने की दौड़ में दौड़ लगा रहे हैं, इस शाश्वत सत्य को स्वीकार करो कि वो हमको हर पल देख रहा है, हम खुद और खुदा की नजरों में कभी बच नहीं सकते।

-एम. सी. जैन पत्रकार, चिकलठाणा

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

पॉलीथिन गो-ग्रास सँग, खाती माता गाय।
आँतों में फँस जात है, तब संकट बढ़ जात।

Shantilal S. Jain

: Chairman of :
- M/s Jain Metal Group, Chennai.

: RELIGION :
- Chairman of kilpauk jain shwetamber murtipujak jain trust, chennai.

: EDUCATION :
- President of Jain mission society, J.T.C Jain mission high school & group of schools, Chennai.
- President of Karuna international, Chennai.
- President of Shree Umaidpur school & Balasharam.

: MEDICAL :
- Vice president of Jain Medical Relief Society.

: PAST POSITIONS :
- President of Rajasthani association Tamil Nadu.
- President of Adtalis Porwal Jain Trust (Clinic & Laboratories) Chennai.
- President of Shree Chandra Prabhu Jain Naya Mandir Trust.

JAIN METAL ROLLING MILLS

Old 7/1, New No. 20, Waddless Road, 4th Floor, Kilpauk, Chennai, Tamilnadu, Bharat- 600 010
Tel No.- 044 43409494 (50 Lines), Email: info@jainmetalgroup.com, www.jainmetalgroup.com

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

'दादा गुरुदेव जिनदत्तसुरि चादर महोत्सव ६ से ८ मार्च तक', 'जैसलमेर' में दिव्यता का अवतरण

जैसलमेर राजस्थान की दिव्य धरा ०६, ०७ एवं ०८ मार्च २०२६ को अनोखे आलोक से आलोकित होने जा रही है, जब दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरि चादर महोत्सव अद्वितीय आध्यात्मिक गरिमा के साथ संपन्न होगा।

श्री जैन ट्रस्ट जैसलमेर, जिनदत कुशलसुरि खरतरगछ पेढ़ी एवं अ. भा. खरतरगछ प्रतिनिधि महासभा द्वारा आयोजित यह पावन पर्व, गुरुभक्ति, संस्कृति और साधना का महाआयोजन बनने जा रहा है। तीन दिवसीय महामिलन देशभर के गुरुभक्तों को एक सूत्र में पिरोने वाला समारोह सिद्ध होगा।

श्रीमान मंगल प्रभातजी लोढ़ा (मंत्री, महाराष्ट्र शासन), की अध्यक्षकता में आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम समिति के संयोजक तेजराज गुलेच्छा, समायोजक महेन्द्र भंसाली, समन्वयक प्रकाश लोढ़ा तथा मंत्री पदमकुमार टांटिया ने सामूहिक रूप से आयोजन की जानकारी 'जिनागम' पत्रिका को देते हुए कार्यक्रम के महत्त्व को समझाया। जैन शासन की खरतरगच्छ परंपरा में प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरिजी का ११०० शताब्दी में अवतरण हुआ और उन्होंने अपनी विद्वता,साधना,चमत्कारों से मानवता को प्रभावित किया, उनके स्वर्गवास होने पर अंतिम संस्कार के समय धारण किये गए वस्त्र चमत्कारिक रूप से जले नहीं और वही वस्त्र आज भी (८७२ वर्ष पश्चात) जैसलमेर किले पर स्थित जैन मंदिर के ज्ञान भंडार में सुरक्षित रखे हैं, उन्हीं वस्त्रों के पूजन और अभिषेक के स्वरुप में यह भव्य आयोजन 'चादर महोत्सव' के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

महोत्सव में युगदिवाकर, अवंति तीर्थोद्धारक आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा एवं स्वप्न दृष्टा ब्रह्मसर तीर्थोधारक आचार्य श्री मनोज्ञ सुरीश्वरजी म.सा. सहित शताधिक साधु-साध्वी भगवंत की दिव्य छत्रछाया में होगी। महोत्सव के दौरान ही आध्यात्म योगी उपाध्याय श्री महेंद्रसागर जी म. सा. को आचार्य पद से सुशोभित किया जाएगा।

मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनरावजी भागवत की पावन उपस्थिति समारोह की गरिमा को राष्ट्रस्तर पर रेखांकित करेगी।

बतादें कि देशभर से २०,००० से अधिक गुरुभक्तों के पधारने की संभावना है, भव्य नगर प्रवेश, शाही जुलूस, साधु-संतों की धर्मसभा, गुरुदेव के अक्षुण्ण वस्त्रों का पूजन, अभिषेक, वासक्षेप पूजा, संगीतमय गुरु इकतीसा पाठ, विश्व विख्यात कलाकारों द्वारा भजन संध्या, गुरुदेव के जीवन पर आधारित नाटिका आदि अनेक कार्यक्रम समापन तक आयोजन के प्रत्येक क्षण को आध्यात्मिक वैभव में रूपांतरित करेंगे।

समारोह स्थल पर भव्य साज-सज्जा, आधुनिक टेंट सिटी, देशभर से आए साधु–साध्वी भगवंत, हाथी–घोड़े–रथ–पालकी तथा आकर्षक झांकियां आयोजन को अप्रतिम भव्यता प्रदान करेगी।

महोत्सव में भाग लेने एवं आवास व्यवस्था हेतु ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है, यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, खरतरगच्छ की दिव्यता, परंपरा और गुरुभक्ति का विराट प्रकाशोत्सव बनने जा रहा है।

-पदम कुमार टाटिया
मंत्री, दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसुरि
चादर महोत्सव

VALUE COUNTER MODEL - KM 9014A
UPDATES WITH NEW NOTES

FEATURES :
- Automatic start, stop and clear.
- With Batch, Add and Self-checking functions.
- UV, MG, IR and MT counterfeit detection.
- Automatic half-note, chained note detecting.
- Double-note detecting with IR.
- LCD turns red when detects fake note.

SPECIFICATIONS :
- Counting Display : 4 digits
- Batch Display : 3 digits
- Counting speed : 1000pcs/min
- Hopper Capacity : 300 notes
- Stacker Capacity : 200 notes
- Size of countable note : 50*110-90*190mm
- Power Supply : AC220V±10% 50Hz
- Power Consumption : ≤ 80W
- Size of box : 375*333*251 mm

KUSAM-MECO®
An ISO 9001:2015 Company
Shop No. 18, 1st floor, CIDCO Shopping Complex, Plot No 9, Sector-7, Rajiv Gandhi Marg, Sanpada Navimumbai-400705. INDIA. Tel.: 022-27754546, 27750662 / 0292
Email :sales@kusam-meco.co.in Web : www.kusamelectrical.com

श्री णमोकार तीर्थक्षेत्र विकास की योजना मंजूर

नाशिक: 'श्री क्षेत्र णमोकार तीर्थ' को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा, पंचकल्याण प्रतिष्ठान महोत्सव जैन कुंभ मेला के लिए मास्टर प्लान बनाया गया है। मुंबई स्थित सह्याद्री अतिथिगृह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बैठक हुई, इसमें नाशिक जिले के मालसाणे (चांदवड) स्थित जैन समाज के 'श्री णमोकार तीर्थक्षेत्र' पर महत्वपूर्ण फैसला हुआ, इसमें 'पंचकल्याण प्रतिष्ठान महोत्सव जैन कुंभमेला' की शीर्ष समिति के सदस्य शामिल हुए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने प्रशासन को निर्देश दिए कि 'श्री क्षेत्र णमोकार तीर्थ' को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने का निर्देश दिया, सभी कामों की उच्च गुणवत्ता बरकरार रखने और सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के जरूरी कदम उठाने पर भी जोर दिया।

यह तीर्थक्षेत्र धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र होने के कारण, देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सड़कें, पार्किंग व्यवस्था, अस्थायी आवास, नौकायन सुविधा, विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ीकरण तथा सुरक्षा दीवार निर्माण जैसे कार्य प्राथमिकता से पूरे किए जाएंगे। मास्टर प्लान में स्थायी कार्यों के साथ-साथ महोत्सव के दौरान आवश्यक अस्थायी व्यवस्थाओं को भी शामिल किया गया है। इनमें पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, हेलिपैड और चिकित्सा सुविधाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यों को मंजूरी देते हुए प्रशासन को महोत्सव की तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में राज्यमंत्री एड. आशीष जयस्वाल, विधायक डॉ. राहुल आहेर तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

३६.३५ करोड़ रु. की है योजना

फरवरी माह में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय पंचकल्याण प्रतिष्ठान महोत्सव जैन कुंभमेला में लगभग १० से १२ लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तात्कालिक एवं दीर्घकालिक कार्यों हेतु कुल ३६.३५ करोड़ रूपए के संशोधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

With Best Compliments

GURU RAJENDRA METALLOYS INDIA PVT LTD

G R METALLOYS PVT LTD

SHAH BABULAL DHANRAJJI JAIN

JAYANT BABULAL JAIN

SHAILESH BABULAL JAIN

Manufactures of Aluminium Alloy Ingot, Aluminium Ingot, Aluminium Notch bar, Aluminium Shots, Aluminium Cubes

8, Gautam Vihar Society, Opp. Sukhsagar Complex, Aroma School Road, Ashram Road, Usmanpura, Ahmedabad, Gujarat , Bharat– 380 013.

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है, वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

Yogesh Navinchandra Shah
Jai Jinendra

● Please Reach Me Out For ●

- Power Backup Solution
- Electrical Power Saving
- Security Camera(CCTV)
- Power Audit Services
- Stabilizer
- Inverter
- Data Centre Projects

● Group Of Divisions ●

MSP www.msplgroup.com
MSP WEB STORE Empowering Simplicity with Professionalism
POWER SECRETS
SMARTECH SOLUTIONS

● Contact Me ●

Mumbai | Navi Mumbai
Ahmedabad | Delhi

9821027812/9696086262
yogesh.shah@msplgroup.com
marketing@msplgroup.com

Mahavir SysPower Pvt. Ltd.
www.msplgroup.com

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

प्रवीन जैन
9810088788

Jainco Ltd
REAL ESTATE SOLUTIONS

वैभव जैन
9999994954

SALE | PURCHASE | RENT

Best Deals in

RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIAL | PLOTS

Sale & Purchase of

FLOORS | PLOTS | KOTHIES in all Vihar & Noida

Building No. -5, Sikka Complex, Vikas Marg, Preet Vihar, Delhi - 92

Tel : 011-42147644, 49848188

email : info@jaincogroup.in • website : www.jaincogroup.in

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

हाय, हैलो छोड़िये, जय जिनेन्द्र बोलिए!

Ideal place for
Marriages, Conferences & Relaxation

Khanvel RESORT SILVASSA

09320023557
09824056861
022-26352635
022-26305555

follow us on:
/thekhanvelresort
/khanvelresort
www.khanvelresort.com

sales@khanvelresort.com

इस सारे संसार में, गाय नाम ही सार।
गो औषधियाँ दे रहीं, करें शीघ्र उपचार।।

Anil Jain
Mob: 9448148728

Rakshitha Pharma

Opp. Subbaiah Hospital, Lakkamma Complex, Jail Road,
Shimoga, karnataka, Bharat - 577201 | Tel: 8861989456

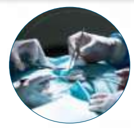

Rajesh jain
Mob: 8548873728, 6360608976

Rakshitha Surgicals & Pharmaceuticals

Mahaveer Plaza, Garden Area, 3rs Cross, Near Sanman Hotel,
Shimoga, karnataka, Bharat, Tel: 08182-298729

'जैन एकता' से ही होगा जैन समाज का विकास व बढ़ेगा
सम्मान मिल कर कहें हम-सब जैन हैं

Samrat Jewellers SJ

नवग्रह रत्नों के व्यापारी
मणिक, मोती, मूंगा, पन्ना, पुखराज, हीरा,
नीलम गोमेदक, लहसुनिया, नवग्रह रत्न अपनी राशी के
अनुसार रत्न धारण करने से हर समस्या दूर होकर,
स्वास्थ लाभ, समुद्र शाली, व हर क्षेत्र
में सफलता प्राप्त होती है
हमारे यहां सभी राशियों के रत्न हमेशा उपलब्ध रहते हैं
एक बार अवश्य संपर्क करें

अनोखीलाल नाहर जैन पंकज नाहर जैन

३१ - ए कीर्तीकर मार्केट, दादरपश्चिम, मुम्बई,
महाराष्ट्र, भारत - ४०००२८ फोन ०२२-२४३०६६४२
मो: ९८९२८०५०६९

इस सारे संसार में, गाय नाम ही सार।
गो औषधियाँ दे रहीं, करें शीघ्र उपचार।।

Pukhraj Betala Jin
Mob : 9480597512, 083108 37939

Planet Power®
Global Expertise. Local Care

BETALA POWER

TOOLS & MACHINERY

64A/1C, Opp. BDCC Bank, Bagalkot,
Karnataka, Bharat- 587101

'जैन एकता' से ही होगा जैन समाज का विकास व बढ़ेगा
सम्मान मिल कर कहें हम-सब जैन हैं

भंवरलाल पगारिया जैन

वरीष्ठ उपाध्यक्ष
अ.भा. श्वे.स्था. जैन कॉन्फ्रेन्स, कर्नाटक शाखा
भूतपूर्व अध्यक्ष
अ.भा. श्वे.स्था. जैन कॉन्फ्रेन्स, कर्नाटक शाखा
कार्यकारिणी सदस्य
अ.भा.श्वे.स्था. जैन कॉन्फ्रेन्स, दिल्ली
मुख्य मार्गदर्शक
श्री मरुधर केसरी जैन गुरु सेवा समिति, बैंगलोर
37, हॉस्पीटल रोड, बेंगलोर, कर्नाटक, भारत- 560053
फोन :- 080 22383557 मो. - 09448238429

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए — Remove INDIA Name From The Constitution

INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

जय भारत! जय जिनेन्द्र!

जय गौ माता!

भारत को 'भारत' ही बोलेंगे INDIA नहीं

मोतीलाल मालू

उपाध्यक्ष श्री एसएस जैन संघ पेरंबूर
देशनोक निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९९४०५५४८७४

मोतीलाल जी 'जैन एकता' के संदर्भ में कहते हैं कि 'जैन एकता' तो आज जैन समाज के लिए बहुत जरूरी है पर मैं तो यह कहूंगा कि पूरे समाज ही नहीं, पूरे राष्ट्र की एकता भी जरूरी है, क्योंकि आज जिस तरह परिस्थितियां दिन-प्रतिदिन बदलती जा रही हैं और सांप्रदायिकता का माहौल बन रहा है, उसमें समस्त सनातनियों को एकत्र होना बहुत जरूरी है, जैसे-जैसे हम संख्या बल में कम होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे हमारे सामने समस्याएं निर्माण हो रही हैं, जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी जी ने और मुख्यमंत्री योगीराज जी ने नारा दिया है 'बटोगे तो कटोगे' यह आज की नहीं सदियों पुरानी बात है, जब-जब हम बंटे हैं तब-तब हम कटे हैं और आज भी परिस्थितियां वैसे ही निर्माण हो रही है, इसीलिए जैनों को ही नहीं, संपूर्ण सनातनियों को एक होना जरूरी है।

यह हमारा दुर्भाग्य है कि हम 'जैन' कई पंथों में बंटे हैं, अन्य समाज के सम्मुख हमारी यह अलगाव स्पष्ट दिखाई दे रही है, जिसके कारण वह हमारी कमजोरी का लाभ उठा रहे हैं, इसीलिए समाज में 'एकता' होना जरूरी है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से कम ही जुड़ी है, क्योंकि उन्हें बचपन से वह संस्कार नहीं मिल पाते, जो उन्हें धर्म और समाज से जोड़े रखे, मेरा तो यह मानना है कि बच्चा जब गर्भ में हो, तभी से संस्कार देना चाहिए।

निश्चित रूप से गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, 'गाय' हमारे लिए पूजनीय है, 'गाय' को हम माता कहते हैं, उनसे मिलने वाला दूध हमें ऊर्जा प्रदान करता है, सिर्फ दूध ही नहीं, हर वस्तु हमारे लिए बहुत ही उपयोगी है, इसलिए गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

मोतीलाल जी मूलतः राजस्थान स्थित 'देशनोक' के निवासी हैं, आपका जन्म और प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान व उच्च शिक्षा 'असम' में संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से आप 'तमिलनाडु' में बसे हैं और व्यापार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक संस्थाओं में भी कार्यरत हैं, श्री एसएस जैन संघ पेरंबूर के उपाध्यक्ष हैं, बीकानेर जैन संगठन चेन्नई के अध्यक्ष रहे हैं, वर्तमान में और भी कई संस्थानों से जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत! -जिनागम

रिखबचंद लोढ़ा

अध्यक्ष महावीर फाऊंडेशन चेन्नई
कुचेरा निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९४४४२७३६००

रिखबचंद जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि 'जैन एकता' तो समाज में बहुत जरूरी है पर यह असंभव लगता है, क्योंकि हर संप्रदाय, हर पंथ अपनी-अपनी डफली बजाने में लगे हुए हैं, कोई समाज और संघ की बातें नहीं करता, हम इसी तरह बंटे रहेंगे तो हमारा अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। 'जैन एकता' स्थापित करने के लिए सर्वप्रथम हमारे गुरु भगवंतों को एकसाथ-एकमंच पर आना होगा, तभी 'जैन एकता' संभव हो सकती है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से जुड़ी भी है और विमुख भी हो रही है, जिन युवाओं को परिवार में धर्म, समाज और संस्कृति की शिक्षा दी जाती है, वे अपने धर्म समाज से जुड़े रहते हैं।

'गाय' हम सभी के लिए पूजनीय है, अतः उनका सम्मान अवश्य होना चाहिए, उन्हें 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम, एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

रिखबचंद जी मूलतः राजस्थान स्थित 'कुचेरा' के निवासी हैं। आपका जन्म और शिक्षा 'राजस्थान' में ही संपन्न हुई है, यहां व्यवसाय से जुड़े रहे, वर्तमान में सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं, एस.एस.जैन महिला विद्या संघ के अध्यक्ष, दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ के प्रमुख मार्गदर्शक व महावीर फाऊंडेशन के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। श्री एस.एस.जैन संघ व अहिंसा प्रचारक मंडल के अध्यक्ष और देवराज माणकचंद मेटरनिटी हॉस्पिटल और महावीर डायलस सेंटर के चेयरमैन रहे हैं। जय गौमाता! जय भारत! -जिनागम

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908
Follow for More Updates
https://www.instagram.com/mainbharathun_?
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

भैरूलाल पितलिया

अध्यक्ष श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ ट्रस्ट मैसूर
भीलवाड़ा निवासी-मैसूर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९४८०११७००५

भैरुलाल जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि जैन समाज में 'एकता' तो बहुत जरूरी है, पर आज के जमाने में यह मुश्किल लगता है, क्योंकि समाज और पंथ अपने तक ही सीमित रह गए हैं, लोगों को धर्म और समाज की वर्तमान परिस्थितियों से कोई फर्क ही नहीं पड़ता। आडंबर अधिक बढ़ गया है, लोगों में अहम की भावना बढ़ गई है, जबकि सभी तीर्थंकर महावीर के अनुयाई हैं, उनके ही सिद्धांतों का अनुसरण करते हैं फिर भी बंटे हुए हैं, जिसका नुकसान हमारे धर्म और समाज को ही हो रहा है, अतः इस पर सभी को विचार करने की आवश्यकता है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से दूर होती जा रही है, वह अपने जीवन शैली में ही रमे हुए हैं, उनका धर्म और समाज से कोई मतलब नहीं है, जो सर्वथा अनुचित है।

'गाय' हमारे लिए पूजनीय है, हम उनकी पूजा करते हैं, धार्मिक कार्यों में 'गाय' को प्रमुख स्थान दिया जाता है, 'गाय' की सेवा-सर्वोपरि मानी जाती है, इसीलिए गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत', इस राष्ट्रीय अभियान का मैं पूर्ण समर्थन करता हूं।

भेरुलाल जी मूलतः राजस्थान स्थित 'भिलवाड़ा' जिले के 'नाथडियास' के निवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'राजस्थान' में संपन्न हुई है। वर्तमान में आप 'मैसूर' में बसे हुए हैं और आभूषणों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहते हैं। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ ट्रस्ट मैसूर के अध्यक्ष, जीतो मैसूर के उपाध्यक्ष, मदारिया साजनान व जैन मिलन सोसायटी के सदस्य हैं और भी कई संस्थानों से जुड़े हैं।

जय गौमाता! जय भारत! **-जिनागम**

गौतमचंद धारीवाल

पूर्व राष्ट्रीय मंत्री प्रचार प्रसार जैन कॉन्फ्रेंस
बगड़ी निवासी-बेंगलुरु प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८४५१४९४४३

गौतम जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि हमारा जैन समाज संख्या में बहुत कम है और उस पर भी हम पंथों में बंटे हैं, जिस कारण हम अपने समाज को सही मायनों में प्रस्तुत नहीं कर पा रहे, अपने धर्म और समाज को बचाने के लिए जैन समाज में एकता होना बहुत जरूरी है, जिसके लिए इसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार होना चाहिए, सभाएं आयोजित की जाएं, जिसमें सभी पंथों के लोग सम्मिलित हैं, हम संगठित रहेंगे तो ही हम सुरक्षित रहेंगे, हमारे गुरु भगवंतों द्वारा भी प्रयास किया जा रहा है, पर वह प्रवचनों तक ही सीमित रह जा रहा है, उसे क्रियान्वित भी करना जरूरी है, तभी 'जैन एकता' स्थापित हो सकती है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म समाज के प्रति जागरूक हो रही है, यही सही समय है कि संपूर्ण जैन समाज को एकत्रित होने का, जैन एकत्रित होंगे तो युवा पीढ़ी भी अपने धर्म और समाज से जुड़ेगी।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय सिर्फ एक पशु नहीं है, 'गाय' से हमें मिलने वाला प्रत्येक पदार्थ उपयोगी होते हैं, इसीलिए गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य प्राप्त होना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

गौतमचंद जी मूलतः राजस्थान के पाली जिले में स्थित 'बगड़ी' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'बेंगलुरु' में ही संपन्न हुई है, यहां आपका परिवार १८८४ से बसा हुआ है, आप यहां रियल स्टेट व होटल के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। जैन कांफ्रेंस के पूर्व प्रचार प्रसार मंत्री रहे हैं, वर्तमान में कार्यकारिणी सदस्य हैं, ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन कर्नाटक के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं, जैन कॉलेज बेंगलुरु के ट्रस्टी हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत! **-जिनागम**

'जैन एकता' से ही जैन समाज का विकास व सम्मान बढ़ेगा
मिल कर कहें 'हम-सब जैन हैं'

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

चंदनमल भटेवरा

पूर्व अध्यक्ष शिमोगा तेरापंथ सभा
छापली निवासी-शिमोगा प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९४८००२३२५९

चंदनमल जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि 'जैन एकता' आज हमारे जैन समाज के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि समाज संगठित रहेगा तो ही सुरक्षित रहेगा, मेरा तो यह मानना है कि सिर्फ जैन समाज ही नहीं पूरा राजस्थान समाज को एक होने की आवश्यकता है।

आज की युवा पीढ़ी पहले से अधिक अपने धर्म समाज के प्रति जागरुक है, युवाओं को उचित मार्गदर्शन दिया जाए तो युवा वर्ग अवश्य अपने धर्म और समाज से जुड़ेगा।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत'!

चंदनमल जी मूलतः राजस्थान स्थित 'राजसमंद' जिले के 'छापली' गांव के निवासी हैं, आपका जन्म और सम्पूर्ण शिक्षा 'चिकमगलूर' कर्नाटक में संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से 'शिमोगा' कर्नाटक में बसे हैं, फार्मास्यूटिकल व्यवसाय से जुड़े हैं, साथ ही यथासंभव सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। जय गौमाता! जय भारत! **-जिनागम**

पुखराज बेताला

अध्यक्ष श्री स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बागलकोट
नागौर निवासी-कर्नाटक प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९४८०५९७५१२

पुखराज जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि वर्तमान में यह देखा जा रहा है कि जैन समाज ही नहीं, मारवाड़ी समाज पर भी खतरा मंडरा रहा है, अराजक तत्वों द्वारा परेशान किया जा रहा है, इन सबसे निपटने का एक ही तरीका है कि सभी एक हों एकसाथ-एकमंच पर अपनी शक्ति को प्रदर्शित करें, एकता रहेगी तो ही समाज सुरक्षित रहेगा और आगे बढ़ेगा। जैन समाज सबसे शांति प्रिय समाज के रूप में जाना जाता है, क्योंकि हम जैन 'अहिंसा परमो धर्मः' को मानते हैं और उसका ही अनुसरण करते हैं, इसीलिए बिना किसी उग्रवादिता के शांत रूप से अपने कार्य को पूर्ण करते हैं। 'एकता' स्थापित करने के लिए सर्वप्रथम समाज में पंथवाद समाप्त होना चाहिए, पंथवाद के कारण ही आज जैन समाज बंटा हुआ है और समाज के अस्तित्व पर खतरा आ गया है, हम सिर्फ 'जैन' हैं, इस बात को लेकर ही हमें आगे बढ़ना चाहिए, तभी हम अपने और अपने समाज को सुरक्षित रख सकते हैं, इसीलिए 'जैन एकता' होना बहुत जरूरी है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से दूर हो रही है, आज की युवा पीढ़ी आधुनिक तकनीक व प्रपंचों में पड़ी हुई है, कितना भी समझाया जाए, नहीं समझती।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, 'गाय' की हम पूजा करते हैं, धार्मिक कार्यों में उनको विशेष महत्व का स्थान दिया गया है, गाय के सम्मान की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए। हमारे 'बागलकोट' में लिंगायत समाज द्वारा गौशाला संचालित है और मेरा भी यह प्रयास है कि यहां समाज की गौशाला स्थापित की जा सके।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत'! भरत चक्रवर्ती के नाम से इस भूखंड का नाम 'भारत' पड़ा है, इसलिए चाहे भाषा जो भी हो, नाम एक ही रहना चाहिए 'भारत', जिसे बोलने पर सम्मान की अनुभूति होती है।

पुखराज जी मूलतः राजस्थान के नागौर जिले में स्थित 'सोमना गांव' के निवासी हैं, आपका जन्म और सम्पूर्ण शिक्षा आपके ननिहाल 'हैदराबाद' में संपन्न हुई है, आपका परिवार कई पीढ़ियों से कर्नाटक के 'बागलकोट' में बसा हुआ है, यहां आप व्यापार से जुड़े हैं और कई सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक और राजनीतिक संगठनों से जुड़े हैं। अखिल भारतवर्षीय जैन कांफ्रेंस दिल्ली के कार्यकारिणी सदस्य है, पिछले २० वर्षों से बागलकोट स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष हैं। चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स के डायरेक्टर व स्टेशनरी मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। राजनीतिक कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक आयोग के भी अध्यक्ष रहे हैं, अन्य कई संगठन में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। जय गौमाता! जय भारत! **-जिनागम**

गोशाला झण्डे लगे, गो-माता हर्षाय।
करें गाय की वंदना, गाय बढ़ाती आय।।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन।

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

गौवंश का अर्थ और महिमा

मित्रों! गतांक में हमने सनातन धर्म मे गौवंश की महत्ता जानी थी, अब कुछ और जानकारी आपके हाथ में गौपूजन गौ का स्थान हमारे समाज में इतना उच्च था कि वार्षिक पंचांग में गौपूजा के लिए विशेष पर्व और दिन निर्धारित कर दिए गए थे, जैसे दीपावली से 3 दिन प्रथम 'बछ्वारस' औषधि के देव धन्वन्तरी के साथ, दीपावली से अगले दिन बलिप्रतिपदा, गोवर्धन पर गौपूजन किया जाना निश्चित था, ना केवल गौ बल्कि नंदी भी पूजे जाते हैं, जैसे श्रावण मास का अंतिम दिन पोला, जिसमें बैल को सजा कर घर घर ले जाया जाता है, जहाँ उनकी पूजा की जाती है, गौदान सबसे पवित्र और महान माना गया है। 'मकर संक्रांति' में गौ-नंदी की विभिन्न रूपों में पूजा अर्चना की जाती है। 'गौपदम व्रत' आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक नित्य, गौवत्स द्वादशीव्रत, गौवर्धनपूजा गौपाष्टमीव्रत, पयोव्रत, वैतरणी एकादशी व्रत आदि गौवंश पूजा से सम्बन्धित हैं। गृहप्रवेश, पाणिग्रहण आदि संस्कार गौपूजा, गौदर्शन, गौदान से ही पूर्ण माने जाते हैं। गौदुग्ध, दधि, धृत, गोमूत्र, पंचगव्य आदि हर पूजा, हवन के अटूट अंग देखे जाते हैं।

गाय - देवी रूप माता, वेदों और वैदिक काल में गाय को सर्वोच्च उत्पत्ति का पर्याय माना गया। गाय भूमि, गाय देवमाता, गाय मेघ गाय प्राकृतिक जीवन जल मानी गयी। गाय या गौवंश पुरातन काल में विशेष सम्पत्ति मानी गयी, युद्ध में भी विशेष प्राप्त सम्पत्ति मानी गयी, इसके मुकाबले में किसी और प्राणी को स्थान नहीं दिया जाता। एक विशिष्ट अनुवेष्ण में पाया गया की जैन सम्प्रदाय ने वृद्ध और असहाय गौवंश के लिए गृह–पिंजरापोल बनाये। नन्द यानि जिसके 'गौकोष्ट' में गायों का समूह हो, ब्रज यानि जहां एक लाख से अधिक गौवंश हो, कन्या को दुहिता कहा गया।

शिव का वाहन - धर्म का अवतार नंदी:

'वृषभ' संस्कृत अंग्रेजी शब्द बैल के बराबर है। नंदी बैल भगवान शिव का वाहन है। वैदिक साहित्य में शिव शब्द 'जनता के कल्याण' (लोक कल्याण) का पर्याय है और बैल लोक कल्याण कर्ता का वाहक, हमारी कृषि और ग्रामीण परिवहन की 90% अभी भी हमारे बैलों पर निर्भर हैं। बैल इस प्रकार हमारे धर्म के अवतार हैं। वस्तुतः बैल मानव जाति का एक भाई है। ३ वर्ष की आयु के बाद बछड़ा, बछिया और बैल, जो अपने जीवन प्रर्यंत मानव जाति का कार्य करता है।

प्रत्येक शिव मंदिर में एक नंदी की प्रतिमा, भगवान शिव की प्रतिमा के साथ शिव दरबार में मिल जाएगी, यही नहीं 'भारत' के राष्ट्रिय चिन्ह में बैल को स्थान दिया गया है, कितने ही सम्प्रदायों जैसे लिंगायत सम्प्रदाय में नंदीश्वर की आराधना की जाती है।

गौवंश के विभिन्न प्रकार:

हमारे लिए, 'गाय' मूल रूप से हमारे स्वदेशी नस्लों की गाय, जिसमें कुछ निहित दिव्य और प्रमाणित गुण हैं, स्वदेशी नस्लों, जिनमें से कुछ के नाम नीचे का उल्लेख कर रहे हैं!

1.गीर 2.काकरेज 3.हरियाणा 4.नागौरी 5.अमृतमहल 6.हल्लीकर, 7.मलावी 8.निमरी 9.दाज्जल 10.अलाम्हादी 11.बरगुर 12.कृष्णवल्ली 13.लालसिन्धी 14.थारपारकर 15.गंगातीरी 16.राठी 17.ओंगोल 18.धन्नी 19.पंवार 20.खेरिगढ़ 21.मेवाती 22.डांगी 23.खिल्लार 24. बछौर 25.गोलो 26.सिरी कांगयम।

शेष पृष्ठ ३३ पर...

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

पृष्ठ ३२ से... यह नस्लें अपने उत्तम दुग्ध, शक्ति और पर्यावरण रक्षक के रूप में पूर्ण विश्व में जानी जाती हैं।

1. आकृति–प्रकृति, गुण-दोष एवं रूप रंग के आधार पर अगर बांटे तो मैसूर की लम्बे सींगों वाली अमृत महल, हल्लिकार, कान्यम, खिल्लार, कृष्णवल्ली, बरगुर, आलमवादी आदि।

2. काठियावाड़ की लम्बे कान वाली गीर, देवानी, डांगी, मेवाती, निमाड़, आदि।

3. उत्तरी भारत की चौड़े मुख तथा मुड़े हुए सींग वाली सफेद रास, कांकरेज, मालवी,नागौरी, थारपारकर, बचौर, पंवार, केनवारिया आदि।

4. मध्य भारत की संकरे मुख और छोटे सींग वाली भगनारी. गावलाव, हरियाणवी, हांसी-हिसार, अंगोल, राठ आदि साहिवाल, धन्नी, पहाड़ी सीरी,

लोहानी, आदि। यह प्रजातियां अपने दुग्ध क्षमता, गुणवत्ता, शक्ति के लिए विश्वविख्यात है। आज ब्राजील, आस्ट्रेलिया, इस्रायल और यूरोप के कितने ही देशों में इनको अर्थ व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, गिन्नी विश्व रिकार्ड में गीर और अंगोल को शामिल किया गया है।

विदेशी प्रवासियों की नज़र में गाय:

मार्क्रोपोलो जब भारत आया और लिखा था कि यहाँ हाथी के समान नंदी जिनकी पीठ पर व्यापारी माल लादकर ले जाते हैं। घरों में गोबर से घर लीपा जाता है और उस पर बैठकर प्रभु आराधना होती है। अपने यात्रा वर्णन में लिखा था कि भारत में गोवध मनुष्य के वध के समान दण्डनीय है, उसने तत्कालीन बादशाहों के भोज्य पदार्थों की सूची दी जिसमें कहीं भी गोमांस का उल्लेख नहीं लिखा।

ईटालियन यात्री पीटर डिलाब्रेल ने 1963 में लिखा है कि खम्बात में गो बछड़े और बैल मारने की सख्त मनाही है, कोई मुसलमान भी यदि गोहत्या करता तो उसे मृत्युदण्ड जैसा कठोर दण्ड मिलता है।

एक अन्य यूरोपीय टेवनियर लिखते हैं कि मुगल काल में व्यापारी माल लष्कर की सामग्री ढोने का कार्य बैलों से किया करते थे। इसके लिए बंजारा जमात बहुत महत्वपूर्ण थी, उनके पास दक्षिण भारत की अमृतमहल, महाराष्ट्र की जैवारी (खिलार), काठीयावाड़ की तलवड़ा, बुंदेलखण्ड की गोरना इत्यादि नस्लों के बैल थे, ये बैल रोज 50-60 कि.मी. पीठ पर माल लेकर चलते थे। कहा जाता है कि विदेशीयात्री भारत से कामधेनु और कल्पतरु यानी गाय और गन्ना लेकर जाते थे, जिससे यूरोप में समृद्धि बढ़ी और 'सोने की चिड़िया' भारत लुटता रहा।

गाय कामधेनु

विकराल राष्ट्रिय समस्याओं का परिहार गौवंश है। भारत के विकास और सम्पन्न भारत के स्वप्न को यह कामधेनु ही पूर्ण कर सकती है, यानि रोग मुक्त भारत, कर्जमुक्त भारत, अपराध मुक्त भारत, प्रदुषण मुक्त भारत, कुपोषण मुक्त भारत, आदि संकल्प पूरा करने में गौवंश सक्षम है, इसलिए इसकी रक्षा करनी होगी। जल, जमीन, जंगल, जीवात्मा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और संस्कार की रक्षा करनी हो तो प्रथम गौवंश को बचाना होगा।

पढें COW MOTHER का रूपांतर

C – Capital Formation	सम्पात्रि प्रदायनी
O –Organic farming	प्राकृतिक जीरो बजट खेती
W – Weather, Wealth	मौसम नियंत्रक, सम्पति
M – Money, Milk, Medicine,	पैसा, दुग्धशाला, माँ
O -- Organic Manure	प्राकृतिक खाद का खजाना
T -- Trade – Transport	व्यापार, उद्योग, परिवहन
H -- Health	स्वास्थ्य प्रदायक, सर्व रोगनिवारक
E -- EnergyEconomy,Ecology	शक्ति,अर्थव्यवस्था,पृदूषणनिवारक
R -- Rural Development	ग्राम विकास की धुरी

अंग्रेजी में इसे COW MOTHER कहा जाता है, इसमें एक-एक अक्षर अपने में महिमा संजोये हुए है।

अनुचित शब्दावली और परिणाम: गाय और गौवंश को अंग्रेजी में Cow & its progeny कहा गया है। भारतीय संविधान में भी इन शब्दों का प्रयोग किया गया है लेकिन न जाने कब, किस साजिश में इसे पशु, मवेशी Cattle कहा जाने लगा, आज प्रथम इसमें सुधार की आवश्यकता है।

Cattle न कह कर गौवंश कहा जाये, बीफ शब्द में से भैंस आदि के मांस को अलग किया जाये, गौमांस यानि BEEF जिसे प्रसिद्ध Oxford शब्दकोश में भी 'flesh of a cow, bull or ox, used as food' यानि गाय या बैल से मिला भोज्य मांस ना जाने किस षड्यंत्र में इसमें भैंस का नाम जोड़ दिया गया, जबकि 'भैंस' मांस के रूप में प्रचारित किया जाना चाहिए।

बैलशक्ति: अश्व अपनी गति के लिए पहचाना जाता है ना कि शक्ति के लिए और गति कार्यो के अलावा और किसी कार्य में उपयोग में नहीं आता, जबकि बैल अपनी शक्ति के लिए जाना जाता है फिर भी शब्द अश्वशक्ति को प्रचारित किया जाता है, इसे बैल शक्ति जो की अश्व से ८ गुना से भी ज्यादा आंकी गयी है के रूप में लिखा जाना चाहिए।

गौवंश को अनुपयोगी कहना सही नहीं, यह तो सर्वकार्य प्रदायिनि कामधेनु है।

राष्ट्रीय झंडा, राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय चिन्ह का दुरुपयोग, अपमान जघन्य अपराधों की श्रेणी में आता है जबकी बैल को तो राष्ट्रीय चिन्ह में स्थान प्राप्त है, परन्तु देश की स्वंत्रता के पश्चात् इस विषय पर संज्ञान लिया ही नहीं गया, बैलों, सांडो, बछड़ों का निर्मम क्रूर यातायात और कत्ल पूरे देश में पैसे के लालच में किया जा रहा है। परिणाम कृषक की आत्महत्या, कृषि लागत में असहनीय वृद्धि, पर्यावरण क्षरण आदि दृष्टीगोचर है।

मित्रों! चर्चा बहुत विस्तृत हैं, अगले अंक मे विभिन्न धर्मो में गौवंश के स्थान पर चर्चा करेंगे, मुझे आपकी जिज्ञाशा, सुझाव प्रश्नों की प्रतीक्षा रहेगी।

-डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल LLM,PhD
aQikk@gmail.com 9980246400

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

ऐतिहासिक रहा नाकोड़ा धाम पडासली जाजम मुहूर्त

मुंबईः रविवार को मेवाड़ भवन, गोरेगांव में राजसमंद जिला मुख्यालय के समीप पडासली में निर्माणाधीन श्रीनाकोड़ा पारसनाथ तीर्थ में २९ अप्रैल को आयोजित होने वाले अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त जाजम मुहूर्त हुआ। यह आयोजन धार्मिक, सामाजिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उल्लेखनीय है कि पडासली में विश्व की सबसे ऊँची ३६ फीट प्रतिमा के रूप में श्रीनाकोड़ा भैरव देव की स्थापना की जा रही है, जो मेवाड़ की पुण्य धरा पर एक अद्वितीय तीर्थ के रूप में विकसित हो रहा है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में ज्ञानहंस विजय म.सा. एवं ५ ठाणा के साथ गुरुभगवंतों का शोभायात्रा के साथ मंगल प्रवेश हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरुदेवों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में नाकोड़ा धाम सेवा संस्थान के मनोज जैन ने तीर्थ परियोजना की जानकारी देते हुए समाज बंधुओं, गुरुभगवंतों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं के प्रति आभार प्रकट किया।
संस्थान के महामंत्री मनोज जैन ने बताया कि दिनभर चले इस आयोजन में संगीतकार अनिल सालेचा की संगीतमय प्रस्तुतियों के बीच तीर्थ परियोजना से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए लाभार्थी घोषणाएं की गईं। इसमें प्रतिदिन स्वामीवात्सल्य, फलेचुंदड़ी, शाही करबा, वाराणसी नगरी, भरत चक्रवर्ती भोजन खंड, नाकोड़ा नगरी (पुरुष विश्राम आवास), पद्मावती नगरी (महिला विश्राम कक्ष), श्री पार्श्व भैरव मंडपम् (अंजनशलाका क्रिया मंडप), धर्मशाला की प्रथम बिल्डिंग का उद्घाटन, चाय पर चर्चा कक्ष, तपस्वी खंड, अभिनंदन खंड (स्वागत कक्ष), शीतल जल सकल संघ में तोरण एवं मेहंदी वितरण, गांव सांझी, प्रतिष्ठा के दौरान मंदिर एवं भवन की पुष्प सजावट तथा प्रतिष्ठा दिवस पर ड्रोन द्वारा पुष्पवर्षा जैसे आयोजनों के लिए भी लाभार्थियों ने बोली लगाई। इस अवसर पर लाभार्थियों का तिलक, दुपट्टा, श्रीफल, मोमेंटो, साफा एवं चुंदड़ी से बहुमान किया गया।

गुरुदेव का संदेश

इस अवसर पर गुरुदेव ने प्रवचन में कहा कि श्रीनाकोड़ा भैरवनाथ जागृत देव हैं और उनकी विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा का वीरभूमि मेवाड़ में तीर्थ के रूप में स्थापित होना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। उन्होंने आयोजनकर्ता टीम एवं सभी लाभार्थी परिवारों को वाक्षेप प्रदान कर आशीर्वाद दिया।
ट्रस्ट टीम से जुड़े लाल बहादुर जैन ने जानकारी दी कि तीर्थ स्थल पर श्रीनाकोड़ा पारसनाथ प्रभु, श्रीनाकोड़ा भैरव देव, श्रीमणिभद्र वीर, श्रीपद्मावती देवी एवं श्रीजितेंद्र सूरीश्वर मसा आदि प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा २९ अप्रैल २०२६ को होगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए लगभग एक हजार कार्यकर्ता दिन-रात सेवा में जुटे हुए हैं। जाजम मुहूर्त आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष निरंजन जैन, महामंत्री मनोज जैन सहित सोहन कोठारी, योगेन्द्र पुनमिया, केतन मादरेचा, लादूलाल बाफना, दिनेश पूनमिया, लाल बहादुर पुनमिया, महेंद्र पुनमिया, शांतिलाल मेहता, सुभाष बड़ाला, महेश कोठारी, हेमंत कोठारी, सहित अनेक कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

शिशोदा तेसपंथ परिवार लीग सीजन ६ का आयोजन १८ को

मुंबईः शिशोदा तेरापंथ समाज द्वारा आयोजित शिशोदा परिवार लीग सीजन ६ का आयोजन १८ जनवरी को बालकनजी बाड़ी जुहू में होगा, आयोजन को लेकर चेम्बूर में १६ टीम स्पांसरों ने खिलाड़ियों का चयन किया, जिसमें ४ लेडीज टीम का भी समावेश है। टाइटल स्पॉन्सर ओम शिल्पी ज्वेलर्स के किशन प्रवीण धाकड़ परिवार, पॉवर्ड बाय नाईस इंश्योरेंस के गणपतलाल चिराग डागलिया परिवार, भोजन स्पांसर दाखुबाई मोतीलाल भगवतीलाल धाकड़ परिवार एवं धुलीबाई भेरुलाल राजेश धाकड़ परिवार, टीशर्ट पार्टनर सोहनलाल मेघराज अजित धाकड़, टॉस का बॉस शांतिलाल कमलेश धाकड़ परिवार, यूट्यूब स्पांसर भंवरलाल मुकेश धाकड़ परिवार, कैप पार्टनर अनिल रोशनलाल धाकड़ परिवार, ४ व ६ पार्टनर कैलाश संजय बेताला परिवार, विकिट स्पॉन्सर सुरेश भावेश धाकड़ परिवार, ड्रिंक्स पार्टनर सुशीला बाई शांतिलाल धाकड़ परिवार, बैट बॉल पार्टनर मोतीलाल राकेश धाकड़ परिवार, लक्की ड्रा शांतिलाल रूपेश धाकड़ परिवार, अंपायर पार्टनर हेमंत उदयलाल धाकड़ परिवार, कमेंटेटर पार्टनर शंकर धाकड़ परिवार, ट्राफी व मैडल पार्टनर सुनयना राजेश धाकड़ परिवार है।

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

जैन प्रत्रकार परिषद अवार्ड समारोह का आयोजन

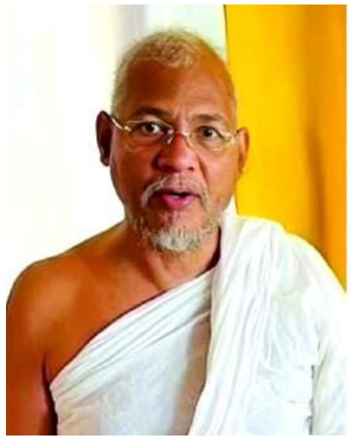
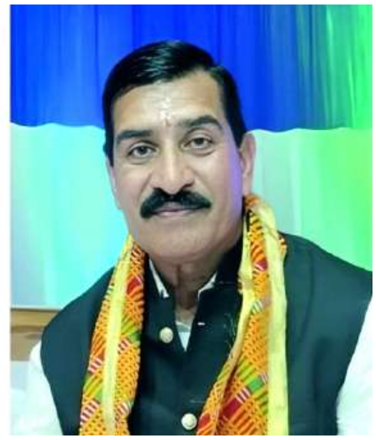

इंदौर, मध्यप्रदेश: जैन पत्रकारों का अवार्ड सम्मान समारोह का भव्य आयोजन २९ मार्च २०२६ को महाकाल की नगरी उज्जैन में हर्षोल्लास के मंगलमय वातारण में आयोजित किया जाएगा, यह भव्य आयोजन 'जैन पत्रकार परिषद' के बैनर तले आचार्य विश्वरत्नसागर सुरिश्वर जी के दिव्य आशीष एवं मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश के इतिहास में प्रथम बार आयोजित होगा। प्रदेश संयोजक दीपक दुग्गड एवं प्रवीण जैन ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार को जानकारी देते हुए 'जिनागम' को बताया कि इस गरिमामय कार्यक्रम में प्रदेश भर से हजारों पत्रकार शामिल होंगे, इस सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश के जैन पत्रकारों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में समाचारों के माध्यम से कोई उपलब्धि हासिल की हो, मंच पर समाज सेवा कार्य में या किसी संस्था द्वारा अवार्ड से सम्मानित किया गया हो, ऐसे पत्रकारों को एक गरिमामय समारोह में अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। मध्यप्रदेश पत्रकार प्रकोष्ठ के संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार दीपक दुग्गड ने 'जिनागम' को बताया कि यह अवार्ड सम्मान समारोह जैन आचार्य विश्वरत्नसागर सुरिश्वर जी की पावन निश्रा में २९ मार्च २०२६ में उज्जैन में आयोजित किया जाएगा। अवार्ड सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में निवासरत जैन पत्रकार, जिन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में जिन्होंने समाज सेवा कार्य अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर उल्लेखनीय कार्य करने पर अवार्ड से सम्मान किया हो, ऐसे पत्रकारों को जैन पत्रकार परिषद के बैनर तले अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। जैन पत्रकार परिषद का गठन वर्तमान में सक्रिय रूप से मध्य प्रदेश में ५३८ जैन पत्रकार साथियों को जोड कर बड़े पैमाने पर कार्य कर रहा है। विगत ३५ वर्षों से पत्रकारिता की क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पारस जैन 'पार्श्वमणि' कोटा ने जिनागम को बताया कि मध्यप्रदेश संयोजक दीपक दुग्गड एवं प्रवीण जैन सभी पत्रकारों को साथ में लेकर संगठन को मजबूती प्रदान कर रहे हैं जो आने वाले समय में यह संगठन अन्य राज्यों में अपनी भूमिका प्रदान करेगा।

पारस जैन, 'पार्श्वमणि' पत्रकार, कोटा, राजस्थान- ९४१४७६४९८०

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है
परस्परोपग्रहो जीवानाम
SWARUP CHAND LODHA
SANJAY SUGANCHAND LODHA
Mob. : 9821155837
Lodha Bhawan, J.B . Nagar, Andheri East,
Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400059

Experience the legacy of a timeless land in a peaceful retreat with unparalleled comfort
— *Hampi, Karnataka.*

Set against the timeless beauty of Hampi, Vijayshree Resort is India's only luxury resort that celebrates conscious living through a pure vegetarian and alcohol-free experience.

Spread across 20 acres with over 60,000 trees and an organic farm, it's a sanctuary of tradition, nature, and serenity.

Accommodation for up to 300 guests, Vijayshree is the perfect destination for weddings rooted in culture and crafted with purity at heart.

vijayshree resort
HAMPI
www.vijayshreeresort.com
reservation@vijayshreeresort.com
+91 9900099400 | 9844713111
For more information, scan this QR

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

स्वतंत्रता सेनानी चौटा वंश रानी की अबक्का ने पुर्तगालियों के छक्के छुड़ाये

क्या हम जैनों को यह ज्ञात है कि हम अपनी एक महान जैन रानी रानी अब्बक्का चौटा की ५००वीं जयंती (१५२५–२०२५) मना रहे हैं? क्या हम जैन समाज को यह भी ज्ञात है कि जैन कुल की यह वीरांगना, जो कर्नाटक के चौटा वंश से संबंध रखती थीं, को 'भारत' की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा प्राप्त है? यह वही रानी हैं जिन्होंने १६वीं शताब्दी में पुर्तगाली आक्रांताओं को अनेक बार पराजित किया और अपने राज्य 'उल्लाल' की स्वतंत्रता को बनाए रखा।

रानी अब्बक्का चौटा दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्र में स्थित उल्लाल की शासिका थीं। चौटा वंश जैन धर्म का अनुयायी था और मातृसत्तात्मक परंपरा का पालन करता था, जिसमें सत्ता पुत्र की बजाय पुत्री को सौंपी जाती थी। रानी अब्बक्का को शासन सौंपा गया और उन्होंने जैन सिद्धांतों अहिंसा, अपरिग्रह, सत्य और सहिष्णुता के आधार पर राज्य चलाया, लेकिन जब पुर्तगाली शासकों ने 'उल्लाल' पर कर थोपने की कोशिश की तो उन्होंने प्रतिकार करते हुए सशस्त्र संघर्ष प्रारंभ किया।

पुर्तगालियों के लिए 'उल्लाल' एक सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण बंदरगाह था। रानी अब्बक्का ने न केवल उनका विरोध किया, बल्कि एक बहु-धार्मिक सेना संगठित की, जिसमें हिन्दू, मुस्लिम और जैन सेनानायक शामिल थे, उनके मुस्लिम सेनापति और अन्य सहयोगियों ने उनके साथ मिलकर एक मजबूत प्रतिरोध खड़ा किया, उनकी युद्ध नीति, नौसैनिक समझ और गुरिल्ला रणनीति ने कई बार पुर्तगालियों को करारी शिकस्त दी, उन्होंने मंगलुरु स्थित पुर्तगाली किले पर भी सफल हमला कर उनके गोदाम जलाए और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

अंततः उन्हें विश्वासघात का सामना करना पड़ा और बंदी बना ली गईं। जेल में ही उन्होंने प्राण त्यागे, लेकिन उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका नाम आज भी 'तुलु' लोकगीतों और कर्नाटक की लोककथाओं में सम्मान के साथ लिया जाता है।

भारत सरकार ने १५ दिसंबर २०२३ को रानी अब्बक्का चौटा की स्मृति में ५ मूल्य का यादगारी डाक टिकट जारी किया, यह टिकट भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करने का प्रतीक है, इससे पहले १५ जनवरी २००३ को उनके नाम पर एक विशेष कवर भी जारी किया गया था।

वर्ष २०२५ को, जब हम उनकी ५००वीं जयंती मनाई, हम जैन समाज के लिए आत्ममंथन का अवसर रहा, क्या हमने अपने इतिहास की इस नायिका को यथोचित सम्मान दिया? अब समय आ गया है कि हम संगठित होकर रानी अब्बक्का चौटा की गाथा को देशभर में पहुँचाएं, उनके नाम पर शोध संस्थान, स्मारक और सांस्कृतिक आयोजन करें और वर्ष २०२६ को राष्ट्रीय 'जैन गौरव' वर्ष के रूप में मनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ि जान सके कि 'भारत' में विदेशी आक्रमणकारियों के विरुद्ध सशस्त्र स्वतंत्रता संग्राम की पहली मशाल एक जैन रानी ने जलाई थी।

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

PRAKASH MEHTA
Mob: 91-9820078241

ELLITE JEWELS
143/144,Panchratna Building, M.P.Marg, Opera House,
Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400004
Email - ellitejewels@gmail.com

ARHAM EXPORTS
6th Floor JW6180, Bharat Diamond Bourse Bkc, Bandra East, Mumbai,
Maharashtra, Bharat - 400051

DIA EXPRESSIONS
Mob.:917.447.32331
22, West 48th Street, Suite 704 New York,
Email:prashant@diaexpressions.com

ORIGINAL DIAMOND
3rd Floor, JE3150, Bharat Diamond Bourse Bkc,
Bandra East, Mumbai, Mahrashta, Bharat - 400051
Tel: 02223668514, 9323402882

राज्यपाल कटारिया ने किया जैन कैलेंडर का लोकार्पण

उदयपुरः श्रमण संस्कृति के गौरव, आध्यात्मिक चेतना और कालबोध की वैज्ञानिक परंपरा को समर्पित गुरु पुष्कर-देवेंद्र जैन कैलेंडर २०२६ का लोकार्पण चंडीगढ़ स्थित राजभवन (लोक भवन) में हुआ। विशिष्ट जैन कैलेंडर का प्रकाशन तारक गुरु जैन ग्रंथालय उदयपुर द्वारा किया गया है। लोकार्पण श्रमण संघीय सलाहकार दिनेश मुनि महाराज, डॉ. द्वीपेंद्र मुनि महाराज एवं डॉ. पुष्पेंद्र मुनि महाराज के सान्निध्य में पंजाब के राज्यपाल चंडीगढ़ प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने किया। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि ऐसे प्रकाशन केवल धार्मिक उपयोग तक सीमित नहीं रहते, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपरा और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं, इस अवसर पर शिवकुमार बागरेचा, मुकेश सांड (जैन) सहित अनेक गणमान्य अतिथि, श्रावक-श्राविकाएँ एवं सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

साधुमार्गी संप्रदाय द्वारा संस्कार शिविर का आयोजन

उदयपुरः परम पूजनीय आचार्य प्रवर १००८ श्री रामलाल जी महाराज एवं उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी महाराज साहब की महत्ती कृपा से शासनदीपक श्री मनीष मुनि जी ठाणा २ एवं शासन दीपिका महासति जी श्री पूर्वी श्री जी मा.सा. ठाणा ४ के सानिध्य में मेवाड़ अंचल का मेवाड़ आंचलिक समता संस्कार शिविर समता भवन भिंडर में दिनांक २५ दिसंबर २०२५ से १ जनवरी २०२६ तक सम्पन्न आज शिविर का समापन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र गांधी के मुख्य आतिथ्य, एवं समाज सेवी दिलीप कुमार बोहरा की अध्यक्षता में पूर्ण हुआ, इसमें मेवाड़ अंचल से सभी संघों से १३७ बालक-बालिकाओं को ८ दिवसीय धार्मिक शिक्षा एवं संस्कार शिक्षा प्रदान की गई।

साधुमार्गी जैन संघ मंत्री हिम्मत नंदावत ने 'जिनागम' को बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय संघ के पदाधिकारी एवं मेवाड़ संघ के पदाधिकारी की उपस्थिति में बालकों को धार्मिक शिक्षा को जीवन में उतरने की शिक्षा दी गई, संघ अध्यक्ष एवं मंत्री तथा समता युवा संघ के सदस्यों ने समस्त पदाधिकारियों का स्वागत किया गया एवं भिंडर पधारने पर सभी का आभार व्यक्त किया, इस अवसर पर समस्त साधुमार्गी जैन संघ, समता युवा संघ, महिला मंडल, एवं समस्त ओसवाल समाज सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही।

संघ अध्यक्ष रोशन लाल वया ने 'जिनागम' को बताया कि गुरु कृपा से जो शिविर हमें प्राप्त हुआ है वह हम सभी मिलकर सफल कर पाए।

'समता युवा संघ' के अध्यक्ष रत्नेश कोठारी ने बताया कि शिविर में कम से कम पांच सामायिक करना, मोबाइल का पूर्ण त्याग, धोवन पानी या गर्म पानी का प्रयोग करना, प्रतिक्रमण करना अनिवार्य, रात्रि संवर, पौषध के साथ कई नियम और पचक्खान बालक बालिकाओं ने लिए, शिविर बहुत उत्साह देखा गया।

मेवाड़ संघ के पदाधिकारी अध्यक्ष मंत्री एवं कार्यकारिणी के सदस्य तथा मेवाड़ के कई संघों ने संघ सेवा दी, जिसमें कानोड़, बड़ी सादड़ी, बंबोरा, चिकारड़ा उदयपुर, मंगलवाड़ आदि सहित कई संघों के श्रावकों की उपस्थिति रही।

विराजित चरित्र आत्माओं के दर्शन हेतु बाहर गांव से कई दर्शनार्थियों का निरंतर भिंडर आवागमन हुआ, भिंडर संघ में शिविर को लेकर बहुत उत्साह रहा।

शिविर संयोजक प्रकाश चंद्र कुदाल ने ८ दिवसीय धार्मिक शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि इन आठ दिनों में जो बालक-बालिकाएं प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे, कक्षा अनुसार उनका पारितोषिक वितरण किया गया तथा अन्य सभी बालकों को संघ की तरफ से पारितोषिक प्रदान किए गए।

शिविर में सभी संघों का सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया एवं भामाशाह को सम्मानित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र गांधी, मेवाड़ संघ के अशोक खुर्दिया, मंत्री दलपत ओस्तवाल, महेश नाहटा, महिला समिति से रेखा बोर्दिया राष्ट्रीय शिविर संयोजिका, वीरमाता सरोज सुराणा, ज्योति नलवाया, विमला बोहरा, पारस मल डागा, दीपक कंठलिया, नरेंद्र रांका, मनीष पोखरना, दिलीप बोहरा, रोशन लाल वया, हिम्मत सिंह नंदावत, नाथू लाल दक, फतेह लाल मेहता, लाल कोठारी, ओम प्रकाश नंदावत, तख्त सिंह भानावत, प्रकाश जारोली, किरण नागौरी, सहित मेवाड़ से कई संघों से पदाधिकारी, भिंडर महिला मंडल के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सभी बहनों की उपस्थिति रही, सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

यह जानकारी शिविर संयोजक प्रकाश चंद्र कुदाल ने 'जिनागम' पत्रिका को भेजी है। समापन सभा का संयोजन महेश नाहटा ने किया। जय गौमाता! जय भारत!

'जैन एकता' से ही होगा जैन समाज का विकास व बढ़ेगा
सम्मान मिल कर कहें, हम-सब जैन हैं

Paras Mohanlal Sankhla Jain
Mob. 9822042579

Anand Bhagar Mills

We Manufacturing Bhagar as a Small Millets
Royalgold Bhagar is our Brand Name

F12 MIDC Satpur, Nashik,
Maharashtra, Bharat- 422007

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

RIKHABCHAND LODHA
Financier
Mob. : 9444273600

II, Chinna Naicken Street, 1st Floor,
Sowcarpet, Chennai, Bharat- 600 079

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

ऐतिहासिक रहा सिंधु जैन मित्र मंडल का सम्मेलन

मुंबई: सिंधु जैन मित्र मंडल मुंबई का 23वां वार्षिक स्नेह सम्मेलन मॉन्टोरिया विलेज रिसोर्ट में आयोजित हुआ। अध्यक्ष लक्ष्मीलाल लोढ़ा, कार्याध्यक्ष किशनलाल लोढ़ा, महामंत्री अशोक लोढ़ा, कोषाध्यक्ष मीठालाल दुग्गड़ के साथ कार्यकारिणी के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रम हुए। मंडल की बैठक में पूर्व कार्यकारिणी, महिला मंडल, नवयुवक मंडल को विदाई दी गई। सर्वसम्मति से बाबूलाल दुग्गड़ को ३ वर्ष के लिए अध्यक्ष मनोनीत किया गया, उन्होंने कार्यकारिणी में कार्याध्यक्ष किशनलाल लोढ़ा, महामंत्री मुकेश कोठारी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीलाल लोढ़ा को मनोनीत किया। महिला मंडल अध्यक्ष प्रेमलता लोढ़ा, मंत्री स्वीटी दुग्गड़, कोषाध्यक्ष शीला लोढ़ा, नवयुवक मंडल अध्यक्ष पीयूष पामेचा, मंत्री भावेश लोढ़ा के नाम की घोषणा की गई। 2026 के सम्मेलन के लाभार्थी रतनलाल मुकेशकुमार कोठारी परिवार के नाम की घोषणा की गई। अध्यक्ष बाबूलाल दुग्गड़ परिवार ने एक सम्मेलन गांव में करवाने की घोषणा की। 2025 के सम्मेलन के लाभार्थी हिम्मतलाल भगवतीलाल, आशीष, भेरूलाल चंडालिया परिवार पूना एवं मनोहरलाल, रमेश चंद्र, पवन, मितेश लोढ़ा परिवार पूना का मंडल ने सम्मान किया। समारोह अध्यक्ष मेवाड़ संघ मुंबई के भगवतीलाल लोढ़ा, मुख्य अतिथि पावन धाम प्रमुख प्रकाश सिंघवी, महामंत्री दिनेश सिंघवी, कुल प्रमुख राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर भंवरलाल गुर्जर, मेवाड़ महिला मंडल अध्यक्ष कंचन सिंघवी एवं सिंधु गांव से केसुलाल लोढ़ा, रमेशचंद्र लोढ़ा राजमल दुग्गड़, दिलीप लोढ़ा, रमेश सुथार के साथ लाभार्थी मेहमानों का स्वागत किया गया। मंडल प्रमुख बसंतीलाल दुग्गड़, प्रमुख मार्गदर्शक मांगीलाल पामेचा, कांतिलाल चंडालिया, अशोक लोढ़ा, उप-संरक्षक चांदमल लोढ़ा, जीवनलाल चंडालिया, उपप्रमुख मदनलाल लोढ़ा, उपाध्यक्ष देवीलाल लोढा, मंत्री राजमल लोढ़ा, भगवतीलाल लोढ़ा, मनिष लोढ़ा, संगठन मंत्री गणेशलाल लोढ़ा, अमर सिंह लोढ़ा, मुकेशकुमार दुग्गड़, प्रचार मंत्री रमेश कुमार लोढा, राकेशकुमार लोढ़ा, इंद्रमल दुग्गड़, शांतिलाल लोढ़ा, दलपत चंडालीया, दिलीप लोढ़ा, मांगीलाल लोढ़ा, आषीश लोढ़ा, लीलादेवी, नेनादैवी चंडालीया, रितुदेवी लोढ़ा पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति रही। संचालन मंडल प्रमुख मांगीलाल लोढ़ा ने किया।

श्री सम्मेदशिखर जी में आचार्य श्री १०८ प्रमुख सागर जी का मंगल प्रवेश

कोलकाता के ऐतिहासिक श्री दिगम्बर जैन उपवन मंदिर, बेलगाछिया में चातुर्मास के उपरान्त, पुष्पगिरी प्रणेता आचार्य श्री १०८ पुष्पदंत सागर जी मुनिराज के परम शिष्य आचार्य श्री १०८ प्रमुख सागर जी मुनिराज ससंघ का श्री सम्मेदशिखर जी स्थित तेरहपंथी कोठी, मधुबन में मंगल प्रवेश हुआ, गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में धर्ममय वातावरण बना। मंगल प्रवेश के दौरान भक्तों ने जयघोष के साथ गुरुदेव का स्वागत किया। साधु-संतों के सान्निध्य में यह प्रवेश जैन समाज के लिए अत्यंत पुण्यदायी एवं प्रेरणादायी क्षण रहा, ससंघ के आगमन से सम्मेद शिखर जी का संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर हो गया, साथ ही सकल जैन समाज के लिए एक दुर्लभ और ऐतिहासिक अवसर रहा, आचार्य श्री १०८ प्रमुख सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में सम्मेद शिखरजी पर्वत परिक्रमा एवं पर्वत वंदना का पुण्य लाभ प्राप्त हो रहा है। गुरुदेव ससंघ के साथ कदम-कदम चलकर पर्वतराज की परिक्रमा और वंदना करने का यह स्वर्णिम अवसर साधर्मिक बंधुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। आचार्य श्री ने सभी साधर्मियों से इस भव्य और ऐतिहासिक कार्यक्रम से जुड़ने का स्नेहिल निवेदन किया थी, आयोजन को सफल बनाने में सुरेश सेठी (कानकी), संजय काला (इस्पात), नवनीत बज, पवन ठोल्या, सत्येंद्र गोधा, संजय छाबड़ा, अभय सरावगी (गोपाल), सुरेंद्र जैन (जैन साहब), मनीष जैन, सुधीर जैन, संतोष सेठी एवं वीरेंद्र जैन का विशेष सहयोग रहा।

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें
Remove INDIA Name From The Constitution

शाश्वत् तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की वन्दना करते समय हमें क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिए और क्या-क्या करना चाहिए?

➪ पुरुष को शुद्ध सफेद वस्त्र व महिलाओं को केशरिया वस्त्र पहन कर जाना चाहिए,

➪ पर्वत पर चढ़ने का समय सुबह-३ से ४ के बीच रखना चाहिए।

➪ साथ में अर्घ, मार्क की हुयी लकड़ी, छोटा टोर्च, टोंक पुजन की किताब, दवाई, पानी की बोतल आदि ले जाना चाहिए।

➪ परिचय पत्र अपने गले में लटकाकर रखना चाहिए।

➪ प्रत्येक टोंक पर अर्घ सफाई से तथा उचित स्थान में चढ़ाना चाहिए।

➪ वन्दना ग्रुप व भक्तिमय जयकारा के साथ करना चाहिए।

➪ हर किसी से मुलाकात होने पर 'जय जिनेन्द्र' कहना चाहिए।

➪ किसी को सहायता की जरूरत हो तो सहयोगिता का प्रयास करना चाहिए।

➪ पर्वत पर कहीं गन्दगी दिखे तो सफाई का प्रयास करना चाहिए।

➪ पर्वत पर किसी प्रकार की शिकायत हो तो नीचे शिकायत पत्र कमेटी को लिखित रूप से देना चाहिए।

➪ डोली व गोदी वाला अगर साथ लेना है तो कमेटी द्वारा पंजीकृत किया हुआ ही लेना चाहिए।

क्या-क्या नहीं करना चाहिए?

➪ पर्वत पर जुते-चप्पल का परहेज करना चाहिए।

➪ पर्वत पर खरीद कर कुछ खाना व पीना नहीं चाहिए।

➪ पर्वत को पिकनिक स्पॉट नहीं बनाना चाहिए।

➪ पर्वत पर कुछ लिखना व स्टिकर आदि नहीं चिपकाना चाहिए।

➪ पर्वत पर भिखारियों से परहेज करना चाहिए।

➪ शोर्टकार्ट रास्ता नहीं अपनाना चाहिए।

➪ पर्वत पर भूठा फेंक कर गन्दगी नहीं करनी चाहिए।

➪ पर्वत पर वाहन का उपयोग पर परहेज रखना चाहिए।

-संजय कुमार बड़जात्या जैन,
धुलियान, प.बंगाल, भारत!

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत है

HARISH GOLCHHA
Mob: 9425258551

In front of City Kotwali, Tehsil Para,
Kondagaon, Chhattisgarh, Bharat- 494226

खमनोर में ज्ञानोदय सेवा संस्थान का शिलान्यास

मुंबईः खमनोर में श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्य मुनि मसा. की जयंती पर उन्हें समर्पित गुरु कुमुद ज्ञानोदय सेवा संस्थान का शिलान्यास किया गया, समारोह में जैन संतों, श्रावक-श्राविकाओं तथा समाज बंधुओं ने भाग लिया। समारोह को संबोधित करते मेवाड़ उपप्रवर्तक कोमल मुनि ने कहा कि गुरु कुमुद ने अपना जीवन भगवान महावीर के संदेशों के प्रचार-प्रसार और समाज जागरण को समर्पित किया, उनके आदर्श आज भी समाज को नई दिशा देते हैं, उन्होंने उपस्थित जनसमूह से गुरु कुमुद के विचारों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। संस्थान अध्यक्ष चौथमल सांखला और महामंत्री संजय मांडोत ने संस्थान की योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी दी। धर्मसभा को जिनेंद्र मुनि एवं हर्षित मुनि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में रमेशचंद्र लोढ़ा, मनोहरलाल लोढ़ा, रोशनलाल बडाला, मावली प्रधान नरेंद्र चंडालिया, खमनोर प्रधान भैरूलाल वीरवाल, तहसीलदार डॉ. सुरेश नाहर, लालचंद बंबोरी, रोशनलाल पगारिया, संपत डागलिया, किशनलाल सांखला सुंदरलाल तातेड़ सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी उपस्थित रहे। स्वागत संस्थान के पदाधिकारियों ने किया। संचालन सौरभ मांडोत एवं गौतम बाफना ने किया, समारोह के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से शिलान्यास किया गया। संरक्षक रमेशचंद्र लोढ़ा ने पूजा-अर्चना के साथ आधार शिलाएँ रखी।

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

Investment Banking ♦ Family Office ♦ NBFC
www.intensivefiscal.com

~ Unique Advice. Capital Market Insight, Efficient Execution, Delivering Financial Growth

Recent IPO

~~~ Our Services ~~~

- Public Issue (IPO)
- M&A / Strategic Acquisition
- Wealth Management & Advisory
- Right Issue / Buy-Back
- Takeover / Open Offer
- Valuation & ESOP
- Private Equity
- QIP Placement
- Pre-IPO Placement
- Debt Syndication
- Amalgamation & Demerger
- Financial Engineering

Intensive Fiscal Services Private Limited
RO: - 914, Raheja Chambers, Free Press Journal Marg, Nariman Point, Mumbai –400021, India,
Tel: +91-22-22870443 / 44 / 45, **Contact Person:** Virendra Bajaj +91 9699292100
Email: admin@intensivefiscal.com , virendra@intensivefiscal.com
Web: www.intensivefiscal.com

सम्पादक-विजय कुमार जैन

जिनागम

धर्म-परिवार-समाज-व्यवसाय का समन्वय

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

हम सब जैन हैं

विशेष छूट
विज्ञापन देने पर
पूरे साल
पत्रिका मुफ्त

जैन समाज एकत्र हो यह है हमारा नारा
इसके लिए चाहिए मात्र आप ही का सहारा

वार्षिक शुल्क
२१००/-

मात्र रु. १५०/- में, प्रति महिना

पंजीकृत कार्यालय

गेलॉर्ड पब्लिकेशन्स प्रा.लि.

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९
दूरध्वनि: ०२२-४०१५ ८०९४ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना : www.jinagam.co.in

अहिंसा
परस्परोपग्रहो जीवानाम्

Postal Registration Number - MCN/192/2024-2026
WPP License No. MR/Tech/WPP-319/North/2024-26
Published on 09th January 2026 & Posting On 10th & 12th of Every Month
Posted at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड व संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन, बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400 059, टेलीफैक्स-022-2850 9999
अणु डाक -mailgaylordgroup@gmail.com, अन्तरताना : www.jinagam.co.in, द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400093 से मुद्रित करवाकर प्रकाशित किया गया।
RNI NO. MAHHIN/2006/19598